सुविचार

जो भारी कोलाहल में भी संगीत को सुन सकता है, वह महान उपलब्धि को प्राप्त करता है।

विप्रम साराभाई

दैनिक रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

वर्ष 3 | अंक 271 | जबलपुर, शुक्रवार 25 सितम्बर 2026 | पृष्ठ 8 | मूल्य, 01 रुपये | RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

अचानक आग का गोला बनी एसी स्लीपर बस, जिंदा जल गए 9 यात्री



नाएडा। ग्रेटर नोएडा के यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती स्लीपर बस में अचानक भीषण आग लग गई. हादसे के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई. कुछ यात्रियों ने कूदकर अपनी जान बचाई. ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती स्लीपर बस में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया. हादसा जीरो पॉइंट से करीब 32 किलोमीटर आगे जेवर थाना क्षेत्र में हुआ है. बस में 35 यात्री सवार थे जिसमें 26 यात्रियों को बाहर निकाल लिया गया. हादसे में 9 लोगों की जान चली गई.

आग लगते ही बस में मची भगदड़ : जानकारी के मुताबिक, बस यमुना एक्सप्रेसवे से गुजर रही थी.इस दौरान उसमें अचानक आग लग गई. देखते ही देखते आग ने बस के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया. आग फैलते ही यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई. कुछ यात्रियों ने बस से कूदकर अपनी जान बचाई.

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची. फायर कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. हालांकि, बस को पूरी तरह ठंडा करने के लिए फिलहाल कूलडाउन की प्रक्रिया जारी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक घटना बुधवार-गुरुवार देर रात 11:30 बजे की है.

हादसे में 9 लोगों की मौत : यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए इस दर्दनाक हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है. जेवर पुलिस के मुताबिक, मृतकों में एक महिला और 8 पुरुष शामिल हैं.

पुलिस के अनुसार, हादसे के बाद मौके पर राहत और बचाव का काम किया जा रहा. घटना में घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है.

सीएम योगी ने लिया हादसे का संज्ञान

ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए बस हादसे का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है. उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई है. साथ ही अधिकारियों को घायलों को बेहतर और जरूरी मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं.

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा है कि घायलों के इलाज में किसी तरह की लापरवाही न हो और उन्हें हर संभव चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए. उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति भी संवेदना व्यक्त करते हुए प्रशासन को जरूरत के मुताबिक मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं. मुख्यमंत्री ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है.

आग कैसे लगी, जांच जारी

फिलहाल बस में आग लगने की वजह सामने नहीं आई है. पुलिस मौके पर मौजूद यात्रियों से पूछताछ कर रही है और घटना से जुड़ी जानकारी जुटाई जा रही है. स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर मौजूद हैं.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे का शिकार हुई बस राज कल्पना ट्रैवल्स की बताई जा रही है. बस का पंजीकरण नंबर BR32 PA8647 बताया गया है. रिपोर्ट्स के अनुसार, यह बस दिल्ली से महोबा जा रही थी.

राज कल्पना ट्रैवल्स की बसों का उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के विभिन्न रूटों पर संचालन होने की जानकारी सामने आई है. हालांकि, बस के संचालन और हादसे से जुड़े अन्य विवरणों की आधिकारिक पुष्टि संबंधित विभागों की जांच के बाद ही स्पष्ट होगी.

चक्रवात अर्नब से ओडिशा व आंध्र प्रदेश में भारी बारिश

बंगाल, एमपी और छत्तीसगढ़ के 10 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट



नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी से बना अर्नब चक्रवात उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट से देर रात 11 से 1 बजे के बीच टकरा गया। इसके असर से दोनों राज्यों के तटीय जिलों में भारी बारिश हो रही है।

दक्षिण ओडिशा के 10 जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। करीब 5 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। मलकानगिरी में चार पुल डूब जाने से ट्रैफिक बंद हो गया है। सुरक्षा कारणों से नेशनल हाईवे भी बंद कर दिया गया है। वहीं, राउरकेला में तूफान से सिविल टाउनशिप में बना 150 फुट ऊंचा गणेश पंडाल ढह गया। आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के कलिंगपट्टनम के कई इलाकों में भारी बारिश के साथ 75 किमी प्रति घंटे तक की हवाएं चलीं। विजयवाड़ा में निचले इलाकों में पानी भर गया है। शहर के कई स्कूलों में लगातार दूसरे दिन छुट्टी कर दी गई है। मछुआरों से शुक्रवार सुबह तक समुद्र में न जाने की अपील की। पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश का हो रही है। दार्जिलिंग और कलिम्पोंग में भी आंधी और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, तूफान का असर मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी दिखाई देगा। एमपी के 10 जिलों भारी बारिश और छत्तीसगढ़ के 15 जिलों में बारिश और आंधी का अलर्ट है।

ईरान बोला-फिर हमला हुआ तो युद्ध हिंद महासागर तक फैलेगा

नई दिल्ली। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका या इजराइल ने उस पर दोबारा हमला किया, तो पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध हिंद महासागर तक फैल सकता है। सूत्रों के मुताबिक, ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई के सलाहकार रहीम सफावी ने गुरुवार को कहा कि संघर्ष पहले ही फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट से निकलकर लाल सागर तक फैल चुका है। अगर दोबारा हमला हुआ तो युद्ध का दायरा और बढ़ सकता है। अगर ऐसा होता है तो इससे भारत और चीन जैसे बड़े तेल आयातक देशों पर बड़ा असर पड़ सकता है। हिंद महासागर यूरोप, पश्चिम एशिया को एशियाई देशों से जोड़ने के लिए बेहद अहम है। समुद्र में तनाव बढ़ने से पश्चिम एशिया से तेल लाने वाले जहाजों पर हमले की आशंका बढ़ जाएगी। ईरान के मुताबिक, इस साल मार्च में भी युद्ध का असर हिंद महासागर तक पहुंचा था। उस समय अमेरिका के हमले में ईरान का युद्धपोत क्क्क्क देना डूब गया था। यह घटना श्रीलंका के तट के पास हुई थी। रॉयटर्स के मुताबिक, ईरानी फ्रिगेट श्रीलंका के गाले शहर से करीब 19 नॉटिकल मील दूर डूबा था।

महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल को बड़ी राहत,

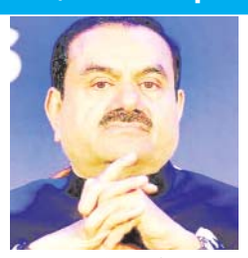
ACB के कलीना लाइब्रेरी केस में NCP नेता समेत सभी आरोपियों को किया बरी

नई दिल्ली। मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट ने, जो टढ२ और टछअ२ से जुड़े मामलों की सुनवाई करती है, महाराष्ट्र के मंत्री और NCP नेता छगन भुजबल को भ्रष्टाचार के एक मामले में बरी कर दिया है। यह मामला मुंबई यूनिवर्सिटी के कलीना कैंपस में सेंट्रल लाइब्रेरी के कंस्ट्रक्शन कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ा था। यह केस एंटी-करप्शन ब्यूरो ने 2015 में तब दर्ज किया था, जब भुजबल महाराष्ट्र के पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के मंत्री थे। कोर्ट ने गुरुवार को भुजबल और दूसरे आरोपियों को बरी कर दिया। हालांकि, इस फैसले का विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं था। ACB ने जून 2015 में मुंबई यूनिवर्सिटी के कलिना कैंपस में सेंट्रल लाइब्रेरी बनाने का कॉन्ट्रैक्ट देने में कथित गड़बड़ियों के सिलसिले में यह केस दर्ज किया था। उस समय ढहऊ मंत्री रहे भुजबल पर जांच एजेंसी ने आरोप लगाया था कि उन्हें इस कॉन्ट्रैक्ट के बदले कथित तौर पर रिश्वत मिली थी। इसके बाद अउइ ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल की। ??उस समय एजेंसी के आरोपों के मुताबिक, भुजबल से जुड़े एक ट्रस्ट को किए गए पेमेंट का संबंध लाइब्रेरी प्रोजेक्ट का कॉन्ट्रैक्ट देने से था। आरोपियों ने इन आरोपों से इनकार किया था। यह मामला उन भ्रष्टाचार के मामलों में से एक था जो भुजबल के कार्यकाल के दौरान पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट द्वारा संभाले गए कॉन्ट्रैक्ट्स में कथित गड़बड़ियों की व्यापक जांच से सामने आए थे।



भारत के सबसे बड़े रईस बने गौतम अडानी

दौलत के मामले में 59,400 करोड़ रुपए पीछे छूटे अंबानी



मुंबई। जाने-माने उद्योगपति गौतम अडानी और उनके परिवार ने मुकेश अंबानी और उनके परिवार को पीछे छोडकर हुरुन इंडिया रिच लिस्ट-2026 में पहला स्थान फिर से हासिल कर लिया है। अडानी की संपत्ति 13 फीसदी बढकर 9.23 लाख करोड़ रुपए (96 बिलियन डालर) हो गई, जबकि अंबानी की संपत्ति 10 फीसदी घटकर 8.63 लाख करोड़ रुपए (90 बिलियन डालर) रह गई। अब अडानी, अंबानी से 59,400 करोड़ रुपए आगे हैं। ताजा हुरुन लिस्ट में ऐसे 1,810 लोग शामिल हैं, जिनकी संपत्ति कम से कम 1,000 करोड़ रुपए है। उनकी कुल संपत्ति पिछले साल के मुकाबले 12.8 फीसदी बढकर 187.5 लाख करोड़ रुपए (1.96 ट्रिलियन डालर) हो गई है, जो भारत की जीडीपी के लगभग आधे के बराबर है। भारत में अब रिकार्ड 391 अरबपति हैं, जबकि पांच साल पहले यह संख्या 237 थी। पिछले एक साल में देश में 27 नए अरबपति जुड़े हैं। लिस्ट में आर्सेलर-मित्तल के एलएन मित्तल और उनका परिवार आठ पायदान ऊपर चढकर तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। उनकी संपत्ति 93 फीसदी बढकर 3.39 लाख करोड़ रुपए हो गई। मित्तल ने लिस्ट में सबसे ज्यादा संपत्ति (1.64 लाख करोड़ रुपए) जोड? का रिकार्ड बनाया। वेदांता रिसोर्सेज के अनिल अग्रवाल और उनके परिवार की संपत्ति 87 फीसदी बढकर 2.08 लाख करोड़ रुपए हो गई, जिससे वह सात पायदान ऊपर चढकर नौवें स्थान पर पहुंच गए।

ह्यइंटरनेशनल सिस्टम खराब हो चुका है, भारत-पाक तनाव को सुलझाने में नाकाम: मार्को रुबियो



न्यूयॉर्क। अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने वैश्विक तंत्र पर साफ-साफ बात करते हुए कहा कि इंटरनेशनल सिस्टम खराब हो चुका है और इसमें बड़े झगड़ों झ जैसे भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित टकराव झ को सुलझाने या कम करने की क्षमता नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि देश अब ज्यादातर अपने राष्ट्रीय हितों के हिसाब से काम करेंगे। संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए मार्को रुबियो ने कहा कि दुनिया के नेताओं के बीच इस बात पर आम सहमति है कि मौजूदा इंटरनेशनल सिस्टम बड़े संकटों से निपटने में नाकाम हो रहा है। रुबियो ने कहा, मुझे लगता है कि इंटरनेशनल सिस्टम अभी अच्छी हालत में नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि अन्तरराष्ट्रीय नियमों की भी एक सीमा होती है, और वह सीमा है आपका राष्ट्रीय हित। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में बहुत क्षमता है, लेकिन वह उस पर खरा नहीं उतर रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि यह सिस्टम अपने दायरे से बाहर निकल चुका है और अब ऐसे मामलों में शामिल हो रहा है जो उसकी तय भूमिका का हिस्सा नहीं हैं। श्री रूबियो ने कहा, यह दुनिया के लगभग किसी भी बड़े झगड़े को सुलझाने में नाकाम है। उन्होंने आगे कहा कि संयुक्त राष्ट्र की बैठक में इस बात पर आम सहमति है कि अंतरराष्ट्रीय सिस्टम नाकाम हो रहा है। मार्को रूबियो ने खास तौर पर कई ऐसे झगड़ों और तनावपूर्ण स्थितियों का ज़िक्र किया, जिनसे उनके हिसाब से मौजूदा अंतरराष्ट्रीय सिस्टम की कमियां सामने आईं। उन्होंने कहा, अगर हमारे पास एक काम करने वाला अंतरराष्ट्रीय सिस्टम होता तो बहुत अच्छा होता, जो उदाहरण के लिए, थाईलैंड और कंबोडिया के बीच हुई लड़ाई, या भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित झगड़े, या डीआरसी और रवांडा में चल रहे हालात, या सूडान में हो रही घटनाओं, या जलडमरूमध्य (स्ट्रेट्स) में ईरान के साथ चल रहे तनाव से निपट सकता।

कॉकरोच पार्टी बोली-मुख्य चुनाव आयुक्त 48 घंटे में इस्तीफा दें

वरना देशभर में आंदोलन करेंगे; वे देशद्रोही, रक्क्रमें 13 करोड़ नाम काटे

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे में इस्तीफा देने का अल्टीमेटम दिया। पार्टी ने कहा कि अगर उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया तो देशभर में आंदोलन किया जाएगा और इसके बाद दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे।

सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- ज्ञानेश कुमार इस देश के सबसे बड़ा गद्दार हैं। उन्होंने रक्क्रके जरिए देश में 13 करोड़ से ज्यादा वोट डिलीट किए। लोगों से वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है।

दीपके ने कहा- लोकतंत्र का मतलब है कि जनता अपनी सरकार चुने। लेकिन जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, तब से सरकार यह तय कर रही है कि कौन वोट करेगा और कौन नहीं। दरअसल, बुधवार को इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने रक्क्रको लेकर पिछले 10 महीनों में आयोग के फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार आपत्ति दर्ज की, लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया।

अब सस्ता होगा खाने का तेल! सरकार ने की इंपोर्ट ड्यूटी में कटौती

नई दिल्लीद्ध खाद्य तेलों की बढ़ती महंगाई के बीच सरकार ने आम उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने के लिए ठोस कदम उठाया है। सोयाबीन, पाम और सूरजमुखी तेल पर इंपोर्ट ड्यूटी में कटौती का फैसला लिया गया है, जो गुरुवार 24 सितंबर से लागू है। सरकार के फैसले के बाद उद्योग संगठन भारतीय वनस्पति तेल उत्पादक संघ ने यह उम्मीद जताई है कि खाद्य तेल की खुदरा कीमतों में कमी आ सकती है।

कौन से तेल पर कितना घटा शुल्क

भारत अपनी कुल खाद्य तेल जरूरत का करीब 60 प्रतिशत आयात के जरिए पूरा करता है। सरकार ने बुधवार को कच्चे सूरजमुखी तेल पर मूल सीमा शुल्क 10 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया। वहीं, रिफाइंड सूरजमुखी तेल पर इउऊ 32.5 प्रतिशत से घटाकर 22.5 प्रतिशत कर दिया गया है। कच्चे सोयाबीन तेल और पाम तेल पर इउऊ 10 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत तो वहीं रिफाइंड सोयाबीन तेल और पाम तेल पर 32.5 प्रतिशत से घटाकर 27.5 प्रतिशत किया गया है।



आम लोगों को मिलेगी महंगाई से राहत

IVPA के अध्यक्ष सुधाकर देसाई ने कहा कि कुछ खाद्य तेलों के आयात पर सीमा शुल्क घटाने का फैसला ऐसे महत्वपूर्ण समय में आया है, जब त्योहारी मौसम नजदीक है। उन्होंने कहा, कम आयात शुल्क से आयातित खाद्य तेल की लागत कम होनी चाहिए, जिससे उपभोक्ता कीमतों में कुछ कमी आ सकती है। देसाई ने कहा कि खाद्य तेल उद्योग के लिए तत्काल प्राथमिकता आगामी त्योहारी महीनों के दौरान देशभर में पर्याप्त सप्लाई बनाए रखना है।

उन्होंने आगे कहा कि सूरजमुखी तेल पर शुल्क में अधिक कटौती की गई है, जिससे यह अधिक किफायती होगा, खासकर दक्षिण भारत के प्रमुख उपभोक्ता क्षेत्र में। देसाई ने कहा, ह्यह्यसूरजमुखी तेल और सोयाबीन तेल के आयात में अधिक फ्लैक्सिबिलिटी आने से पाम तेल की मांग कम हो सकती है।

खाद्य तेलों का आयात बिल बढ़ेगा

उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार, अधिक मात्रा में आयात और रुपये में गिरावट के कारण अक्टूबर में समाप्त होने वाले मौजूदा मार्केटिंग ईयर में भारत का खाद्य तेल आयात बिल 9 फीसदी बढ़कर ?1.75 लाख करोड़ होने का अनुमान है। भारत पाम तेल का आयात मलेशिया और इंडोनेशिया से करता है, जबकि सोयाबीन तेल अर्जेंटीना और ब्राजील से आयात किया जाता है।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स

जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में

समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान

प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ

संपर्क करें
7415685293
9589490996
9340553112

68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

8 महीने से पुनर्वास के लिए भटक रहे, फिर से कलेक्टर कार्यालय पहुंचे

बाणसागर विस्थापितों को बेदखली और केस दर्ज करने की धमकी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कटनी जिले के विजयराघवगढ़ तहसील में बाणसागर डूब क्षेत्र से विस्थापित हुए सैकड़ों भूमिहीन ग्रामीण गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। उन्होंने नारेबाजी करते हुए कलेक्टर के नाम संयुक्त कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ये ग्रामीण अपनी जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा के साथ घर की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बाणसागर जल विद्युत और सिंचाई परियोजना की वजह से वे पूरी तरह बेघर और भूमिहीन हो गए हैं। करीब 500 विस्थापित परिवार अपनी और अपने बच्चों की जान बचाने के लिए विजयराघवगढ़ तहसील के पिपरा, बम्होरी और कुसमा गांवों की वन भूमि (कक्ष क्रमांक 16, बीट गुडेहा, परिक्षेत्र बड़वारा) में रह रहे हैं। उन्होंने यहां कच्ची झुग्गी-झोपड़ियां बनाई हैं।



पुनर्वास की नहीं हो पाई कोई व्यवस्था

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने यह कदम मजबूरी में उठाया है। इससे पहले वे अपनी मांगों को लेकर 70 किलोमीटर पैदल चलकर कलेक्टर और वन मंडलाधिकारी (डीएफओ) कटनी के पास पहुंचे थे। उस समय विजयराघवगढ़ एसडीएम को भी लिखित ज्ञापन दिया गया था। प्रशासन ने तब बड़े अधिकारियों से बात कर जल्द पुनर्वास और जमीन देने का भरोसा दिया था।

8 महीने से सैकड़ों आदिवासी भटकने को मजबूर

विस्थापितों ने आरोप लगाया कि वे करीब 8 महीने से बिना किसी विवाद के शांतिपूर्वक वहां रह रहे थे। इसकी जानकारी स्थानीय रेंजर को भी थी। हालांकि, हाल ही में कुछ स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद प्रशासन का रवैया बदल गया। ग्रामीणों के अनुसार, 22 सितंबर 2026 को थाना प्रभारी विजयराघवगढ़ और रेंजर ने उन्हें थाने बुलाया। आरोप है कि पहले उनसे आधार कार्ड और मोबाइल नंबर लेकर रजिस्टर में दर्ज किए गए। बाद में उन्हें वन भूमि से तुरंत बेदखल होने और झोपड़ियां गिराकर केस दर्ज करने की धमकी दी गई।

क्या मांग की गई?

उन्होंने मांग की है कि पिपरा, बम्होरी, कुसमा (कक्ष क्रमांक 16, बीट गुडेहा) और आसपास के इलाकों में रह रहे बाणसागर विस्थापितों के खिलाफ बेदखली, अतिक्रमण धारा या मुकदमे की कार्रवाई पर तुरंत रोक लगाई जाए। आदिवासियों ने कहा कि मड़ैया और झोपड़ियों को न गिराया जाए। ?यदि वन भूमि पर अधिकार देना संभव न हो, तो जिले के भीतर ही किसी अन्य स्थान पर राजस्व भूमि आवंटित कर सभी 500 परिवारों को स्थायी रूप से बसाया जाए।

उद्योगों को आसानी दे रहे जमीन, हमें क्यों नहीं?

ज्ञापन देने आए आदिवासी रूप सिंह, नंदलाल कोल, राजा कोल, चंद्रावती सिंह और छोटू कोल ने कहा कि जब बड़े-बड़े उद्योगों, खदानों और फैक्ट्रियों को लीज पर सैकड़ों एकड़ वन भूमि सौंपी जा रही है और सुप्रीम कोर्ट से लाखों पेड़ काटने की अनुमति मिल जाती है, तब पर्यावरण का नुकसान नहीं होता? इस देश के गरीब आदिवासियों को अपनी जान बचाने के लिए दो गज जमीन का भी अधिकार नहीं है, ?जंगल में जानवरों, लकड़ी ठेकेदारों और कोयला-खनिज निकालने वाली कंपनियों का तो अधिकार है, लेकिन जल-जंगल-जमीन के असली संरक्षक आदिवासियों को बेघर किया जा रहा है।



स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद थीम पर जिलेभर में आयोजित हुए चिकित्सा शिविर

11वें आयुर्वेद दिवस पर 1302 मरीजों को मिला निःशुल्क उपचार

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। 11वें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में गुरूवार को कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में संचालित आयुष विंग, आयुष औषधालय एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। शिविरों में कुल 1302 मरीजों को लाभान्वित किया गया।

बीपी, शुगर और प्रकृति परीक्षण की सुविधा

जिला आयुष अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार मेहर ने बताया कि शिविरों में मरीजों की निःशुल्क बी.पी. एवं शुगर जांच, प्रकृति परीक्षण तथा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आयुर्वेद पद्धति के अनुसार आहार-विहार, दिनचर्या एवं ऋतुचर्या के संबंध में जानकारी भी दी गई।

विभिन्न रोगों का उपचार और औषधियों का हुआ वितरण

आयुर्वेद दिवस की थीम ह्स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेदह्व के तहत गर्दन, कमर एवं जोड़ों के दर्द, साइटिका, लकवा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, सिरदर्द, माइग्रेन, अनिद्रा, मानसिक तनाव, पथरी, पित्ताशय की पथरी, सोरायसिस, एग्जिमा, चर्मरोग, एसिडिटी, उदर रोग, अपच, लीवर रोग, थायरॉइड, पाइल्स, सर्दी-जुकाम एवं अस्थमा सहित विभिन्न रोगों का निःशुल्क उपचार किया गया। मरीजों को आयुर्वेद एवं होम्योपैथी औषधियों का वितरण भी किया गया।

योग, स्वच्छता और पौधरोपण गतिविधियां

कार्यक्रम के दौरान जागरूकता गतिविधियों के साथ स्वच्छता अभियान, औषधीय पौधों का पौधरोपण, योग शिविर एवं पोषण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।



कलेक्टर श्री तिवारी ने उद्यमी संवाद में मार्बल एसोसिएशन गठित कर जीआई टैग के लिए आवेदन के दिए निर्देश

कटनी मार्बल की होगी ब्रांडिंग, जीआई टैगिंग के लिए होंगे प्रयास



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत ग्राम पंचायत गुदरी में आयोजित उद्यमी संवाद में कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने कटनी के मार्बल को विशिष्ट पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। उन्होंने कटनी मार्बल की प्रभावी ब्रांडिंग करते हुए इसे देश-दुनिया में पहचान दिलाने के लिए गंभीरता से प्रयास करने तथा जीआई टैगिंग की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले के मार्बल की विशेषताओं को व्यापक पहचान दिलाने के लिए उद्यमियों और प्रशासन को समन्वित प्रयास करने होंगे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा, वनमंडलाधिकारी श्री गर्वित गंगवार, जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर, एसडीएम बहोरीबंद श्री श्लोक वायकर सहित उद्योग विभाग के अधिकारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

मार्बल एसोसिएशन का गठन कर जीआई टैग के लिए करें आवेदन

कलेक्टर श्री तिवारी ने महाप्रबंधक उद्योग श्रीमती ज्योति सिंह को निर्देशित किया कि जिले के मार्बल उद्यमियों को एकजुट कर सर्वप्रथम मार्बल एसोसिएशन का गठन एवं पंजीयन कराया जाए। इसके उपरांत एसोसिएशन के माध्यम से जीआई टैगिंग प्राप्त करने के लिए आवेदन की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया में जिला प्रशासन द्वारा उद्यमियों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

उद्यमियों ने रखीं समस्याएं, कलेक्टर ने दिए कार्यवाही के निर्देश

उद्यमी संवाद के दौरान उद्योगपतियों और औद्योगिक इकाइयों के संचालकों ने मार्बल उद्योग से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों से कलेक्टर को अवगत कराया। उद्यमियों ने माइनिंग के डेडरेंट की दर कम करने, मार्बल माइंस के वेस्ट मटेरियल के लिए ईटीपी उपलब्ध कराने, जिले में बनने वाले नए भवनों में कटनी मार्बल के उपयोग को प्रोत्साहित करने तथा कटनी स्टोन की प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उद्यमियों ने पावर फीडर के कारण निर्बाध विद्युत आपूर्ति में आ रही समस्या तथा ई-खनिज पोर्टल के अपडेशन का विषय भी रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में महाकौशल रिफैक्ट्रीज के संचालक श्री अरविंद गुगालिया, पाल मार्बल से श्री मुकेश पाल, श्री राम मार्बल से श्री तिवारी, समदरिया मार्बल से श्री वेद दुबे, ओजस्वी मार्बल से श्री विपिन तिवारी, शारदा मार्बल से श्री रजनीश तथा डाल्फिन मार्बल से श्री राकेश सिंह सहित अन्य उद्यमी उपस्थित रहे।

कलेक्टर, एसपी भगवान श्री गणेश की महाआरती में हुये शामिल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी और पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा ने कटनी शहर के गणेश चौक पहुंच कर यहां श्री विघ्न-विनाशक गणेश मंदिर में विराजे विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश का दर्शन-पूजन किया और महाआरती में शामिल हुए। कलेक्टर श्री तिवारी ने सुख और समृद्धि के दाता भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर जिले की खुशहाली और समृद्धि के लिए मंगल कामना की। इसके पूर्व श्री विघ्न-विनाशक गणेश उत्सव समिति गणेश चौक द्वारा कलेक्टर श्री तिवारी के यहां पहुंचने पर समिति की ओर से ओढ़नी-पट्टा भेंट कर स्वागत किया गया। कलेक्टर श्री तिवारी ने प्रार्थना की, कि भगवान श्री गणेश की कृपा से सभी जिलेवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि आए। गणेश चतुर्थी से स्थापित देवताओं में प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की पूजा-आराधना में पूरा जिला ही धर्म, अध्यात्म, आस्था, श्रद्धा और भक्ति में लीन हैं।

आधुनिक पुस्तकों एवं पर्याप्त बेड-बिस्तरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने स्लीमनाबाद स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास का किया निरीक्षण



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने गुरूवार को स्लीमनाबाद स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास का निरीक्षण किया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा, वनमंडलाधिकारी श्री गर्वित गंगवार, जिला शिक्षा अधिकारी श्री सच्चिदानंद पांडे और डीपीसी प्रेमनारायण तिवारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री तिवारी ने छात्रावास में बालिकाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि छात्रावास में अध्ययनरत बालिकाओं को शैक्षणिक वातावरण के साथ आवश्यक सभी सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि बालिकाओं की सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कमी या लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

पुस्तकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें

कलेक्टर श्री तिवारी ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि छात्रावास की लाइब्रेरी में बालिकाओं के लिए पर्याप्त संख्या में आधुनिक एवं उपयोगी पुस्तकें तत्काल उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने पुस्तकों के रखरखाव एवं व्यवस्थित संधारण पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, ताकि बालिकाएं सुविधाजनक तरीके से पुस्तकों का उपयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय केवल औपचारिकता न रहे, बल्कि बालिकाओं के अध्ययन में उपयोगी साबित हो।

बेड एवं बिस्तरों की पर्याप्त व्यवस्था के निर्देश

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने छात्रावास में बालिकाओं के ठहरने की व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि छात्रावास में सभी बालिकाओं के लिए पर्याप्त संख्या में बेड एवं सोने के लिए बिस्तरों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि छात्रावास में रहने वाली बालिकाओं को किसी भी आवश्यक सुविधा के अभाव में परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन?होंने छात्रावास की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने तथा बालिकाओं को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निदेर्शों का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करने को कहा।



कल होगा हवन एवं विशाल भंडारा, श्रीगणेश प्रतिमा बनी जनाकर्षण का केंद्र

प्रतिदिन महाआरती में उमड़ रही भक्तों की भीड़

गोटेगांव। नगर के कामथ वार्ड में श्रीगणेश उत्सव समिति द्वारा आयोजित गणेश उत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। उत्सव के दौरान प्रतिदिन भगवान श्रीगणेश की महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। शाम होते ही गणेश पंडाल में भक्तों की भीड़ जुटने लगती है और महाआरती के दौरान पूरा वातावरण गणपति बप्पा के जयकारों से गूंज उठता है। श्रीगणेश उत्सव समिति द्वारा गणेश उत्सव को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। आकर्षक साज-सज्जा के बीच स्थापित श्रीगणेश की प्रतिमा श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों के लिए जनाकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रतिदिन श्रद्धालु पंडाल में पहुंचकर भगवान श्रीगणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना एवं आरती में शामिल हो रहे हैं। महिलाओं, युवाओं और बच्चों में भी गणेश उत्सव को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है।

भक्ति के साथ सामाजिक सहभागिता का संदेश- गणेश उत्सव के माध्यम से समिति द्वारा धार्मिक आयोजन के साथ सामाजिक सहभागिता का संदेश भी दिया जा रहा है। महाआरती में वार्ड सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु शामिल होकर भगवान श्रीगणेश का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। समिति के सदस्यों द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा और आयोजन को व्यवस्थित बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

कल होगा हवन एवं विशाल भंडारा

गणेश उत्सव के समापन अवसर पर कल शुक्रवार हवन-पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। हवन में श्रद्धालु शामिल होकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। समिति ने नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धार्मिक आयोजन में सहभागी बनने की अपील की है। आयोजन को लेकर श्रीगणेश उत्सव समिति के सदस्यों एवं वार्डवासियों में विशेष उत्साह बना हुआ है। लगातार महाआरती और धार्मिक आयोजनों के चलते कामथ वार्ड का वातावरण पूरी तरह गणेशमय नजर आ रहा है।

दुकान में रात्रि के समय घुसकर चोरी करने वाला अपचारी बालक अभिरक्षा में

पन्ना। फरियादी प्रमोद लखेरा पिता स्व. मूलचंद्र लखेरा, उम्र 45 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 11 पवई द्वारा थाना पवई में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी मनिहारी की दुकान है। दिनांक 23 अगस्त 2026 की रात्रि में अज्ञात व्यक्ति दुकान के अंदर घुसकर काउंटर में रखी नगद राशि चोरी कर ले गया। घटना के समय फरियादी दुकान के अंदर ही सो रहे थे। फरियादी द्वारा दुकान में पूर्व से सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। सीसीटीवी फुटेज में एक अज्ञात व्यक्ति दुकान के काउंटर से नगद राशि चोरी करते हुए दिखाई दे रहा था। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना पवई में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामला संपत्ति संबंधी अपराध का होने से पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू द्वारा थाना प्रभारी पवई निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार को प्रकरण में तत्परता से साक्ष्य संकलित कर आरोपी की पहचान एवं गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया। थाना प्रभारी पवई निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से लगातार साक्ष्य संकलित किए गए। साक्ष्यों के आधार पर संदेही की पहचान की गई, जो अपचारी बालक होना पाया गया।

पुलिस द्वारा दिनांक 23/09/2026 को अपचारी बालक को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसके द्वारा चोरी की घटना करना स्वीकार किया गया तथा चोरी की राशि से सेकंड हैंड मोबाइल खरीदना बताया गया। पुलिस द्वारा अपचारी बालक के कब्जे से चोरी की राशि से खरीदा गया मोबाइल एवं शेष ?11,000/- नगद बरामद किए गए। विधि अनुसार कार्रवाई करते हुए अपचारी बालक को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से प्राप्त आदेश के पालन में उसे बाल संप्रेषण गृह, छतरपुर भेजा गया। चोरी की घटना का खुलासा होने एवं आरोपी के पकड़े जाने पर फरियादी द्वारा पवई पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

अमानगंज में जेके सीमेंट का मेंटर-मेंटी मिलन समारोह आयोजित

अमानगंज। जेके सीमेंट के यदुपति सिंघानिया जीविका इनिशिएटिव के विशेष सहयोग से 24 सितंबर 2026 को अमानगंज में ह्यमेंटर-मेंटी मिलन समारोहह्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जोड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों, गणमान्य नागरिकों एवं संस्था के कार्यकताओं के परिचय के साथ हुआ। भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट के क्लस्टर हेड ने जेके सीमेंट के साथ संचालित संयुक्त आजीविका प्रोत्साहन अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि इस पहल के माध्यम से ग्रामीण एवं स्थानीय युवाओं को कौशल विकास, मार्गदर्शन और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ा जा रहा है। समारोह में भारतीय स्टेट बैंक एवं केनरा बैंक के फील्ड ऑफिसर्स भी उपस्थित रहे। बैंक अधिकारियों ने युवाओं को बैंकिंग प्रक्रियाओं, वित्तीय सहयोग तथा उद्यम स्थापित करने के लिए उपलब्ध ऋण सुविधाओं की जानकारी दी। इस दौरान नए उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए बैंकों द्वारा स्वीकृत ऋण राशि के चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम में कमेटी के चेयरमैन, को-चेयरमैन सहित अन्य अतिथियों ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने जेके सीमेंट यदुपति सिंघानिया जीविका इनिशिएटिव के तहत संचालित सामाजिक एवं आजीविका कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार एवं उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

तेज रफ्तार कार पुल की रेलिंग तोड़ते हुए 40 फिट नीचे सोन नदी में गिरी, तीन युवक घायल, राहगीरों ने बचाई जान



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिला मुख्यालय में देर रात कलेक्टर बंगले के पास सोन नदी पुल पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पुल की करीब 30 फीट लंबी लोहे की रेलिंग तोड़ते हुए लगभग 40 फीट नीचे जा गिरी। हादसे में कार सवार तीन युवक घायल हो गए। गनीमत रही कि कार नदी के ऐसे हिस्से में गिरी, जहां पानी की गहराई कम थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया जानकारी के अनुसार ढढ 65-उ-7111 नंबर की कार अनूपपुर से पसला की ओर जा रही थी। रात करीब 11:30 बजे सोन नदी पुल पर पहुंचते ही कार अनियंत्रित हो गई और रेलिंग तोड़कर नीचे जा गिरी। टक्कर के चलते कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयासिटी गाइड खोजें हादसे के बाद मौके से गुजर रहे वाहन चालकों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए नदी किनारे उतरकर कार में फंसे तीनों युवकों को बाहर निकाला। इसके बाद घायलों को निजी वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। उपचार के बाद तीनों को छुट्टी दे दी गई। इनमें एक युवक को अपेक्षाकृत अधिक चोटें आई थीं। करीब 40 फीट की ऊंचाई से कार के नीचे गिरने के बावजूद तीनों युवकों का गंभीर रूप से घायल नहीं होना राहत की बात रही। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से नदी किनारे गिरी कार को बाहर निकलवाकर थाना परिसर में खड़ा कराया। सुरक्षा के मद्देनजर पुल पर कुछ समय के लिए यातायात भी रोका गया, जिसे करीब आधे घंटे बाद बहाल कर दिया गया। एसआई कोमल अजरिया के अनुसार कार में सवार अनुभव शुक्ला (32), रत्नेश शुक्ला (30) और ऋषि तिवारी (26) शराब के नशे में थे। तीनों अनूपपुर के जमुडी और सकरा क्षेत्र के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसे के संबंध में घायलों ने फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी है। मामले की जांच जारी है।

पांच दिवसीय हाथी महोत्सव का हुआ शुभारंभ, सेवा सुश्रुषा के साथ किया जाएगा स्वास्थ्य परीक्षण



दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। जिले के बांधवगढ टाईगर रिजर्व में हाथी पुर्नयोवनीकरण कैंप 2026 के तहत पांच दिवसीय हाथी महोत्सव का आज शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित कलेक्टर राखी सहाय ने हाथी महोत्सव के महत्व को रेखांकित करते हुए एक अभूतपूर्व अनुभव बताया। उन्होने कहा कि हाथी महोत्सव के दौरान जहां एक ओर हाथियों की सेवा सुश्रुषा होगी वहीं वन्य जीव संरक्षण में हाथियो के भूमिका की जानकारी भी दी जाएगी। परासी गेट के समीप धमोखर बफर क्षेत्र में पांच दिवसीय हाथी महोत्सव में प्रशासनिक एवं वन विभाग तथा बांधवगढ टाईगर रिजर्व के अधिकारियों सहित पत्रकारों एवं आम जनों को हाथियो के साहसिक योगदान के बारे में बताया गया। बफर क्षेत्र में पर्यटन को बढावा देने तथा आस पास के ग्रामीणों को हाथियो के विषय में जानकारी देने व जागरूकता के संबंध मे महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, डीएफओ विवेक सिंह, संभागीय प्रबंधक कापोर्रेशन अमित पटौदी, उप संचालक योहान कटारा, सहायक संचालक मितेन्द्र चिचखेडे , एसडीएम हरनीत कौर कलसी उपस्थित रहे। उप संचालक योहान कटारा ने जानकारी दी की पांच दिवसीय आयोजन में 9 हाथी भाग ले रहे है। महोत्सव में कृष्णा नामक नर हाथी की अठखेलियां एवं उछलकूछ ने सभी का ध्यान आकृष्ट किया। उल्लेखनीय है कि इस नर हाथी का जन्म माह अक्टूबर 2025 में हुआ था और इसका नाम करण मुख्यमंत्री डा मोहन यादव व्दारा अपने बांधवगढ प्रवास के दौरान किया गया था। पांच दिवसीय आयोजन में हाथियों की विशेष सेवा के साथ ही स्वास्थ्य परीक्षण, श्रृंगार एवं वन्य जीवन संरक्षण में उनकी भूमिका के संबंध में जानकारी दी जाएगी। हाथी पुनर्यौवनीकरण कैंप का उद्देश्य पालतू हाथियों, हाथी महावतों, चाराकटरों हेतु अवकाश प्रदान करते हुए हाथियों का स्वास्थ्य परीक्षण करना, उनका मनपसंद भोजन उपलब्ध कराना एवं विशेष सेवा करने के साथ-साथ स्थानीय जन समुदाय को हाथियों को निकट से जानने का अवसर प्रदान करना है एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

मेरे सपनों का भारत विषय पर भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तत्वावधान में संस्कार विधि महाविद्यालय, अनूपपुर में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत ह्यमेरे सपनों का भारतह्ल विषय पर भाषण प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने विचारों के माध्यम से भारत के भविष्य, विकास और समाज के प्रति अपनी कल्पनाओं एवं दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में बीए एलएलबी द्वितीय वर्ष के यशवंत पटेल ने प्रथम, बीए एलएलबी प्रथम वर्ष के अंकुर पंत ने द्वितीय तथा एलएलबी प्रथम वर्ष के राजाराम पटेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने ह्यमेरे सपनों का भारतह्ल विषय को चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। इसमें बीएएलएलबी प्रथम वर्ष की सुहाना अगरिया ने प्रथम, एलएलबी प्रथम वर्ष के आदित्य सेठिया ने द्वितीय तथा बीएएलएलबी प्रथम वर्ष के यश कुमार पेंद्रो ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों की रचनात्मकता और प्रतिभा देखने को मिली। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने विचारों और कल्पनाओं को प्रस्तुत करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही।



अमरकंटक तिराहे विराजे गणेश भगवान, नौवें दिन हुआ हवन और विशाल भंडारा, शोभायात्रा निकालकर होगा विसर्जन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। अमरकंटक तिराहा स्थित युवा गणेश उत्सव समिति द्वारा गणेश उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। गणेश प्रतिमा स्थापना के बाद से ही समिति के कार्यकताओं द्वारा प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। गणेश उत्सव के नौवें दिन गुरुवार सुबह विधि-विधान के साथ हवन का आयोजन किया गया। इसमें समिति के सदस्यों और श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की तथा सुख-समृद्धि की कामना की। हवन के बाद धार्मिक वातावरण में श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश के जयकारे लगाए। शाम के समय गणेश भगवान की आरती की गई। आरती में समिति के कार्यकताओं के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आरती के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। समिति के कार्यकताओं द्वारा भंडारे की व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से सहभागिता की गई। समिति द्वारा गणेश प्रतिमा विराजमान किए जाने के पहले दिन से ही प्रतिदिन अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन आयोजनों में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की सहभागिता बनी हुई है। गणेश उत्सव के चलते अमरकंटक तिराहा क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना हुआ है। युवा गणेश उत्सव समिति ने बताया कि 25 सितंबर को गणेश भगवान की शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा के बाद विधि-विधान के साथ गणेश प्रतिमा का विसर्जन कर भगवान गणेश को अंतिम विदाई दी जाएगी। समिति के कार्यकताओं ने श्रद्धालुओं से शोभायात्रा में शामिल होने की अपील की है।



दो दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन का साहित्य उत्सव, देश के नामी कवि गीतकार, नवगीतकार गजलकार करेंगे रचनापाठ

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। मध्यप्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन, जिला इकाई अनूपपुर द्वारा आयोजित कोतमा साहित्य उत्सव हिंदी भाषा और साहित्य का दो दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन है। कोतमा को साहित्य के यादगार आयोजनों के लिए पहले से जाना जाता रहा है। यह उत्सव उसी परंपरा में एक नई छलांग और एक नई साहित्यिक परंपरा की शुरूआत है। इस उत्सव की विशेषता केवल देश के विभिन्न हिस्सों से आ रहे प्रतिष्ठित कवि-कथाकारों की सहभागिता ही नहीं, साहित्य को भाषा, भूगोल, आजीविका, प्रकृति और समाज से जोड़कर देखने की इसकी दृष्टि भी है। 26 सितम्बर को उत्सव की शुरूआत 10.30 बजे से उदय प्रकाश के गांव सीतापुर का भ्रमण, सोन के तट पर अनौपचारिक संवाद और वृक्षारोपण से होगी। इसके बाद अपरान्ह 3 बजे कोतमा के अग्रसेन धाम में उत्सव का औपचारिक उद्घाटन होगा । जिसमें लब्धप्रतिष्ठ कवि कथाकार उदय प्रकाश का सम्मान, अतिथियों के वक्तव्य और पुस्तकों का विमोचन होगा। उद्घाटन सत्र के बाद शाम को देश के सुविख्यात कहानीकारों कहानीपाठ होगा। उत्सव के दूसरे दिन 27 सितंबर को सुबह प्रकृति-दर्शन और वाटर फॉल पर संवाद, फिर अपरान्ह 3 बजे से ओपन माइक सत्र में अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, सीधी और रीवा के युवा कवियों का रचनापाठ और अंत में शाम 7 बजे से कवि सम्मेलन होगा, जिसमें देश के विभिन्न अंचलों से आए चर्चित कवि गीतकार, नवगीतकार और गजलकार रचनापाठ करेंगे। जानकारी देते हुए मप्र हिन्दी साहित्य सम्मेलन जिला इकाई अनूपपुर के अध्यक्ष अविनाश अग्रवाल और सचिव डॉ कुमार ध्रुव, उपाध्यक्ष अमरेंद्र सिंह परिहार, कोषाध्यक्ष-धीरेन्द्र जैन और सहसचिव मो यासीन खान ने बताया कि सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष पलाश सुरजन की मौजूदगी और मार्गदर्शन में तथा वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार संतोष कुमार द्विवेदी के समन्वय में संपन्न होने जा रहा कोतमा साहित्य उत्सव साहित्य को जीवन के विविध अनुभवों से जोड़ने की एक कोशिश है।





गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ जयघोष के बीच विघ्नहर्ता को दी विदाई

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल तथा पावन पवित्र नगरी अमरकंटक में इन दिनों गणेशोत्सव की भक्तिमय छटा के बीच विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं का विधिवत विसर्जन किया जा रहा है। प्रथम पूज्य मंगलमूर्ति भगवान गणेश को विदाई देने के लिए श्रद्धालु भाव-विभोर होकर विसर्जन कुंड पहुंच रहे हैं। वैदिक मंत्रोच्चार, आरती-पूजन, ढोल-नगाड़ों की गूंज और 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के गगनभेदी जयघोष के बीच अब तक लगभग आधा सैकड़ा गणेश प्रतिमाओं का श्रद्धापूर्वक विसर्जन किया जा चुका है। भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वादशी के अवसर पर एक दर्जन से अधिक गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। वहीं, 24 सितंबर गुरुवार को भाद्रपद शुक्ल पक्ष त्रयोदशी के दिन लगभग 35 से 40 प्रतिमाएं विसर्जन कुंड में प्रवाहित की गईं। इस प्रकार दोनों दिनों में मिलाकर अब तक करीब 50 गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन संपन्न हो चुका है। गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान श्रद्धालु अपने आराध्य देव की प्रतिमाओं को सुसज्जित वाहनों एवं पारंपरिक भक्ति भाव के साथ विसर्जन स्थल तक लेकर पहुंचे। यहां विधिवत आरती, पूजन एवं प्रार्थना के पश्चात श्रद्धा और आस्था के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। ढोल-नगाड़ों की गूंज, भक्ति गीतों और गणपति बप्पा के जयकारों से वातावरण गणेशमय हो उठा।

फुटबॉल मैदान में बेटियों ने रचा नया इतिहास,6 बेटियों का मध्यप्रदेश राष्ट्रीय टीम में हुआ चयन, मिली शुभकामनाएं



दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले की बेटियों ने फुटबॉल के मैदान पर अपनी प्रतिभा, अनुशासन और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया है। इंदौर के महू में आयोजित ओपन इंटर-डिस्ट्रिक्ट जूनियर गर्ल्स फुटबॉल टूर्नामेंट में शहडोल की टीम ने उत्कृष्ट खेल का परिचय देते हुए उपविजेता (रनर-अप) का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में डी एफ ए शहडोल की टीम ने डी एफ ए इंदौर की मजबूत टीम को कड़ी टक्कर दी और बेहद कड़े व रोमांचक मुकाबले में मात्र एक गोल के अंतर से उपविजेता रही। टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर डी एफ ए शहडोल की 8 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर के कोचिंग व ट्रायल कैंप के लिए हुआ था। कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद 6 खिलाड़ियों का अंतिम रूप से मध्यप्रदेश टीम में चयन किया गया है, जिनमे चांदनी यादव रिलायंस फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर धनगवां, वाशु यादव रिलायंस फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर धनगवां, संध्या सहिस रिलायंस फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर धनगवां, दिव्या संत रिलायंस फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर हर्री, राधा सिंह रिलायंस फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर धुरवार, राधनी सिंह बिचारपुर स्मॉल फीडर सेंटर के खिलाड़ियों का चयन हुआ है। 26 सितंबर से 3 अक्टूबर तक नारायणपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित होने वाली जूनियर राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। शहडोल की इस ऐतिहासिक उपलब्धि में ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों में संचालित रिलायंस फाउंडेशन फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटरों की अहम भूमिका रही है। रिलायंस सी बी एम परियोजना के सी एस आर नवाचार के तहत चलाए जा रहे फुटबॉल विकास कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण बालिकाओं को नियमित प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और अनुशासित वातावरण प्रदान किया जा रहा है। इन्हीं जमीनी प्रयासों का परिणाम है कि आज गांव-देहात से निकलकर बेटियां राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं।

पीआरटी महाविद्यालय में उत्साहपूर्वक मनाया गया राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। पीआरटी महाविद्यालय अनूपपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) के स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य, समाज सेवा में युवाओं की भूमिका तथा राष्ट्र निर्माण में स्वयंसेवकों के योगदान के बारे में जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि ठरर विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझते हुए शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। स्वयंसेवकों ने भी समाजहित एवं जनसेवा से जुड़े कार्यों में निरंतर योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। महाविद्यालय प्रबंधन ने सभी को राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सेवा भावना के साथ समाज एवं राष्ट्र के विकास में योगदान देने का संदेश दिया।



संपादकीय

आत्महत्याओं के आईआईटी

आईआईटी बॉम्बे के होनहार, मेधावी, प्रतिभाशाली, भावी नवप्रवर्तक या आविष्कारक साहिल वाकोडे ने आत्महत्या कर ली। पंखे से लटक कर जान दे दी। पल भर में ही सपनों और संभावनाओं का संसार समाप्त हो गया। कुछ अरसे के बाद यह त्रासदी भी ह्यअतीतह्ण हो जाएगी, क्योंकि युवा छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति और पराजित मनःस्थिति एक निरंतर प्रक्रिया है, सिलसिला बन गया है। ऐसी घटनाएं बेहद मर्माहत करती हैं, त्रासद् होती हैं, परिवार बिखर जाता है, उन माता-पिता की स्थिति पर जरा-सा भी चिंतन नहीं किया जाता, जिन्होंने ह्यआईआईटी औलादह्ण के लिए संसाधनों का जुगाड़ किया। अब बुजुर्ग होने की उम्र के मुहाने पर वे अचानक ह्यअकेलेह्ण कर दिए गए हैं। ये युवा आत्महत्याएं सभी प्रमुख आईआईटी में हो रही हैं और कोटा जैसे कोचिंग सेंटर के शहरों में हो रही हैं। ऐसा कौन-सा मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्द्धा का खौफ, पारिवारिक चिंताएं और सबसे भयावह अकेलापन है, जो जिंदगी से हार कर हमारे प्रतिभाशाली बच्चे ह्यआत्मघातीह्ण होते जा रहे हैं? आईआईटी में आने के बावजूद उन्हें सिखाना पड़ेगा कि संघर्ष कैसे करना है? सरकार और शीर्ष शैक्षिक संस्थानों ने छात्रों, प्रशासन और प्रोफेसरों के लिए कुछ दिशा-निर्देश तय किए थे, उन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शामिल किया था, फिर भी आत्महत्याएं जारी हैं! बेहद चिंतित स्थिति है। 2026 के पहले सात माह के दौरान आईआईटी बॉम्बे में ही 3 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। सबसे अधिक आत्महत्याएं आईआईटी खडगपुर और मद्रास में की जाती हैं। 2025 में सभी प्रमुख आईआईटी में 15 छात्रों ने आत्महत्याएं कीं और 2021-25 के बीच यह आंकड़ा 65 तक पहुंच गया। 2006-26 के बीच 171 ह्यअसामान्य मौतेंह्ण दर्ज की गईं। उनमें से 140 आत्महत्याएं आईआईटी छात्रों ने कीं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने भी संसद में यह रपट और आंकड़े पेश किए हैं कि देश के शीर्षस्थ संस्थानों (आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी) में बीते कुछ सालों में आत्महत्याओं के दर्जनों मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि आईआईएम में ऐसी युवा त्रासदियां इक्का-दुक्का ही सामने आई हैं, लेकिन अन्य संस्थानों में आत्महत्या की मनःस्थिति बढ़ती ही जा रही है। व्यवस्थाएं भी जिम्मेदार हैं। करीब 65 फीसदी उच्च शिक्षा संस्थानों में ह्यमानसिक स्वास्थ्य सेवाएंह्ण ही उपलब्ध नहीं हैं। मानसिक अवसाद, तनाव को नियंत्रित करने की व्यवस्था ही नहीं है। आत्महत्या करने वाले छात्र साहिल के प्रति सहानुभूति और उसके परिजनों के प्रति संवेदनाएं स्वाभाविक हैं, लेकिन प्रो. सूर्यनारायण ने उसका जातिवादी उत्पीड? किया था और अपशब्दों का इस्तेमाल करते रहे थे, इस निष्कर्ष तक पहुंचना भी ह्यअन्यायपूर्णह्ण और ह्यपूर्वाग्रहीह्ण होगा। ऐसे प्रोफेसर ही नवाचार की पीढ़ी तैयार करते हैं, क्योंकि वे बुनियादी रूप से शिक्षक हैं। हमने अपने छात्र-जीवन में दलित, ओबीसी शिक्षकों के पांव छुए हैं। बेशक जेन-जी की सोच कुछ और होगी! लेकिन शिक्षक-छात्र का रिश्ता ह्यजातिवादीह्ण नहीं होता। यह भी एक राजनीतिक नेरेटिव है। आईआईटी की औसत कक्षा में 60 फीसदी से अधिक छात्र अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी के होते हैं। उन छात्रों के अपने समूह होते हैं, लिहाजा कोई भी प्रोफेसर अथवा सवर्ण छात्र, सहजता से, उन्हें जातीय आधार पर शोषित या अलग-थलग नहीं कर सकता। इस दुष्प्रचार से बचना चाहिए। आईआईटी के स्तर पर प्रोफेसर-छात्र के संबंध ह्यदोस्तानाह्ण भी होने लगते हैं, क्योंकि छात्रों में से ही कुछ जूनियर प्रोफेसर बनकर संस्थान में आ सकते हैं। हालांकि पुलिस ने आरोपित प्रोफेसर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने, बाध्य करने और एससी/एसटी कानून की धाराओं में केस दर्ज किया है, लिहाजा जांच की प्रतीक्षा करनी चाहिए। बेशक मृतक छात्र के माता-पिता का गुस्सा, आक्रोश समझा जा सकता है, लिहाजा उनके आरोप स्वाभाविक हो सकते हैं, लेकिन प्रोफेसर को बिना किसी साक्ष्य अथवा जांच के ह्यखलनायकह्ण करार देना भी न्यायिक नहीं है। आईआईटी बॉम्बे में करीब 14,000 छात्र हैं। उसके अधिकतर छात्र और प्रोफेसर ह्यआरोपित शिक्षकह्ण के समर्थन में हैं। अन्य आईआईटी ने भी उनका समर्थन किया है। महज इन आधारों पर किसी भी निश्चित निष्कर्ष तक नहीं पहुंचा जा सकता। आईआईटी में 56 फीसदी से अधिक फैकल्टी प्रोफेसर ह्यअगड़ेह्ण हैं, जबकि 7 फीसदी से कुछ अधिक दलित प्रोफेसर हैं और जनजातीय प्रोफेसर तो 2 फीसदी से भी कम हैं। इस समीकरण के लिए हमारी सरकारी व्यवस्था दोषी है और व्यवस्था ही बुनियादी जवाबदेह है। क्या इस ह्यअसमानताह्ण को खंडित किया जाएगा?

अगर अमेरिका ने सौ प्रतिशत का टैरिफ थोपा तो !

रूस और ईरान से अगर भारत द्वारा तेल खरीदने का बुनियादी लक्ष्य रूस-यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देना या ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका और इजरायल का विरोध नहीं है। दरअसल भारत मौजूदा माहौल में अपनी भारी-भरकम जनसंख्या के लिए किफायती ऊर्जा सुरक्षा को संरक्षित कर रहा है। अमेरिकी संसद के दोनों सदनों से सैंक्शनिंग रशा एंड ईरान एक्ट के पारित होने को लेकर देश में आशंकाओं के बादलों का उठना स्वाभाविक है। आज जिस आर्थिकी और विश्व व्यवस्था को तकरीबन पूरी दुनिया ने अपना रखा है, उसकी वजह से पूरी दुनिया को लगता है कि अमेरिका के सहयोग के बिना वह एक कदम आगे नहीं रख सकती। वैश्विक आर्थिकी में डालर के वर्चस्व के चलते ज्यादातर देशों को लगता है कि अगर अमेरिका की आंखें टेढ़ी हुईं तो उस पर महाविपत्ति आ जाएगी। इसी सोच का ही असर है कि इस अधिनियम के पारित होने के बाद भारत के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की नजर में भारतीय विदेश नीति नाकाम नजर आने लगी है।



सैद्धांतिक रूप से भारतीय वामपंथी इकोसिस्टम अमेरिका का हर पल खुला विरोध करता है, लेकिन उसे भी अमेरिकी टैरिफ कानून भारतीय हित के खिलाफ नजर आ रहा है। इन सबके बीच भारत सरकार की प्रतिक्रिया संतुलित और सधी हुई है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत अपनी 140 करोड़ की आबादी की ऊर्जा सुरक्षा के लिए दृढ़ है। जाहिर है, भारत को झुकाने की सोच रखने वाले ट्रंप प्रशासन को ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं रही होगी। ऐसे में अमेरिका के अगले कदम पर निगाह रखना ज्यादा जरूरी हो जाता है।

रूस और ईरान से अगर भारत द्वारा तेल खरीदने का बुनियादी लक्ष्य रूस- यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देना या ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका और इजरायल का विरोध नहीं है। दरअसल भारत मौजूदा माहौल में अपनी भारी-भरकम जनसंख्या के लिए किफायती ऊर्जा सुरक्षा को संरक्षित कर रहा है। इसलिए भारत का न झुकना देश के विपक्षी दलों और अमेरिकी सरकार के लिए हैरतअंगेज भले ही हो, भारतीय हितों के अनुकूल नहीं है। वैसे जब से ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति का पद संभाला है, अपने ऊल-जलूल फैसलों के लिए ही वे जाने गए हैं। यह पहला मौका नहीं है कि उन्होंने इस कानून के जरिए भारत को दबाने की कोशिश की है। बीते साल एक अगस्त 2025 से उन्होंने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया था। जिससे उनके ही बाजार में भारतीय वस्तुएं और सामान महंगे होने लगे थे। तब चालाकी दिखाते हुए ट्रंप प्रशासन ने फार्मास्युटिकल्स को इस टैरिफ से अलग रखा था। इसकी वजह यह है कि भारत से अमेरिका आने वाली दवाएं सस्ती पड़ती हैं। भारतीय रत्न और आभूषणों पर टैरिफ लगाने का बहुत असर नहीं पड़ा था। क्योंकि रत्न और आभूषण स्वभाव से ही महंगे होते हैं और उन्हें खरीदने वाले लोगों के लिए इनकी महंगाई मायने नहीं रखती। ठीक वैसे ही, जैसे भारत में महंगा होने के बावजूद सोने की खरीद-बिक्री पर असर नहीं पड़ा है। भारतीय सामान जब बढ़े टैरिफ के चलते अमेरिकी बाजार में महंगे होने लगे तो अमेरिका में भी ट्रंप प्रशासन के इस फैसले के खिलाफ सवाल उठने लगे। तब तक अमेरिकी प्रशासन को भी समझ आने लगा था कि उसने कैसा कदम उठाया है। इसका असर यह हुआ कि फरवरी 2026 में ट्रंप प्रशासन को टैरिफ में कटौती करनी पड़ी।

पश्चिमी एशिया का हालिया संकट अमेरिका की ही देन है। जब से यह संकट बढ़ा है, भारत ने रूस से तेल की खरीददारी बढ़ा दी है। यह भारत की मजबूरी भी है। बीती जुलाई में भारत ने अपने कुल तेल आयात का 51.4 प्रतिशत तेल अकेले रूस से खरीदा था। रूस से तेल खरीद का भारतीय मकसद मौजूदा हालात में अपने लिए किफायती दरों पर तेल हासिल करना है। भारत का यह अधिकार है और मौजूदा हालात में अगर भारत झुकता है तो इसे भारतीय नागरिक शायद ही पसंद करेगा।

भारत की तुलना में चीन ना सिर्फ रूस, बल्कि ईरान से भी भारी मात्रा में तेल खरीद रहा है। रूस से तेल खरीदना उसके लिए ज्यादा आसान और सस्ता है। चूंकि दोनों देशों की सीमाएं मिलती हैं और तेल की आपूर्ति पाइपलाइन के जरिए आसानी से होती है, इसलिए चीन भी टैरिफ युद्ध के निशाने पर होने के बावजूद तेल खरीद से पीछे नहीं हट रहा तो फिर हमें ही क्यों पीछे रहना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति इस कानून के तहत भारत पर सौ प्रतिशत टैरिफ थोपते हैं तो भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात को बड़ा झटका लग सकता है। जानने की बात है कि भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों में टेक्सटाइल्स, रत्न और आभूषण, आटोमोबाइल और इंजीनियरिंग उत्पाद ज्यादा है। टैरिफ अगर बढ़ेगा तो अमेरिकी बाजार में इनकी कीमतें महंगी होंगी, जिससे उनकी मांग घट सकतकी है। इससे भारतीय निर्यातकों को नुकसान हो सकता है। कुछ जानकारों को लगता है कि इससे रूस से जारी तेल खरीद से मिल रही अरबों रूपए की राहत खटाई में पड़ सकती है। यहां ध्यान देने की बात यह भी है कि भारत, अमेरिका से व्यापार समझौते को लेकर बातचीत जारी रखे हुए है। अगर सौ प्रतिशत टैरिफ लागू किया जाता है तो इस प्रस्तावित व्यापार समझौते में अड़चन आ सकती है। हो सकता है कि यह बातचीत ही खटाई में पड़ जाए।

बेशक अमेरिका भारत का बड़ा कारोबारी साझीदार है। लेकिन मोदी के 2024 में सत्ता में आने के बाद से अब तक करीब चालीस देशों से मुक्त व्यापार समझौता किए जा चुके हैं। भारत ने हाल ही में यूरोपीय संघ से भी ऐसा समझौता किया है। भारत का मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ, ब्रिटेन, ओमान, न्यूजीलैंड आदि से मुक्त व्यापार समझौते या व्यापक आर्थिक साझेदारी का समझौता कर चुका है। भारत सरकार के ही आंकड़ों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अपने कारोबारी नेटवर्क का विस्तार करते हुए नौ बड़े मुक्त व्यापार समझौते भी किए हैं। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ यानी ईएफटीए में आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं। इसी तरह भारत ने आसियान देशों, जापान, दक्षिण कोरिया और साफ्टा के सदस्य देशों के साथ पारंपरिक कारोबारी समझौता कर चुका है। अगर अमेरिका भारत पर टैरिफ थोपता है तो देश को चाहिए कि इन देशों के जरिए कारोबार को बढ़ावा दे। वैसे भी टैरिफ थोपने की दशा में भारतीय कारोबारी दूसरे देशों के जरिए अमेरिका में अपना माल भेज सकते हैं। उम्मीद कर सकते हैं कि सरकार भी ऐसी राह तलाशने की कोशिश में जुटी होगी। फिर भारतीय अर्थव्यवस्था भी पहले जैसी नहीं रही, इसलिए हताश और चिंतित होने की जरूरत नहीं है, भारत को अमेरिकी बाजार में घुसने के लिए वैकल्पिक राहों की तलाश तेज करनी होगी।

राशिफल

मेष राशि :- कार्य-कुशलता एवं समृद्धि के योग फलप्रद होंगे, रुके कार्य बन जायेंगे।

वृष राशि :- कार्य तत्परता से लाभ एवं इष्ट मित्र सुखवर्धक अवश्य ही होंगे।

मिथुन राशि :- व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि, कार्यकुशलता से संतोष, बिगड़े कार्य बनेंगे।

कर्क राशि :- सोच-समझकर शांति बनाये रखें अन्यथा कुछ विभ्रम, विकार, क्लेश होगा।

सिंह राशि :- समय की अनुकूलता से विशेष कार्य की वृद्धि करें, लेनदेन मध्यम होगा।

कन्या राशि :- मानसिक विभ्रम, किसी अरोप में फंस सकते हैं, अर्थ के कार्य बन जायेंगे।

तुला राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल हो, बिगड़े कार्य बनेंगे तथा कार्य संतोष होगा।

वृश्चिक राशि :- कार्य-कुशलता से संतोष, योजनाएं फलीभूत अवश्य ही होंगी।

धनु राशि :- सफलता के साधन जुटायें, धन लाभ, आचानक सफलता का हर्ष होगा।

मकर राशि :- आरोप व क्लेश, असमंजस, धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा।

कुंभ राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक हो, स्त्री शरीर कष्ट, चिन्ता असमंजस में रखें।

मीन राशि :- इष्ट मित्र सहायक रहें, दैनिक कार्यगति में अनुकूलता आयेगी।

रणथंभौर के त्रिनेत्र गणेश को चिट्ठी लिखकर अपनी मनोकामना भेजते हैं श्रद्धालु



राजस्थान के रणथंभौर किले में स्थित ऐतिहासिक त्रिनेत्र गणेश मंदिर में भगवान गणेश अपने पूरे परिवार के साथ विराजमान हैं। राजा हम्मीर द्वारा 1300 ईस्वी में बनवाए गए इस चमत्कारी मंदिर में भक्तों श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं और समस्याओं के समाधान हेतु बप्पा को चिट्ठियां लिखकर भेजते हैं।

राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में रणथंभौर के ऐतिहासिक किले के भगवान गणेश का एक मंदिर है। यह मंदिर सिर्फ अपनी भव्यता के लिए नहीं बल्कि अनूठे रहस्य और गहरी आस्था के लिए भी जाना जाता है। यह मंदिर त्रिनेत्र गणेश मंदिर हैं, जहां पर गणपति बप्पा अपने पूरे परिवार के साथ विराजमान हैं। इस मंदिर में भक्त भगवान गणेश, उनकी पत्नियां रिद्धि-सिद्धि और पुत्र शुभ-लाभ के दर्शन करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको माधोपुर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में बताने जा रहे हैं।

गणपति का अनोखा मंदिर

वैसे तो रणथंभौर किला जंगल सफारी के लिए पॉपुलर है। लेकिन यहां पर स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर हजारों-लाखों भक्तों की आस्था का केंद्र है। इस मंदिर की बड़ी विशेषता यह है कि यहां पर भगवान गणेश अकेले नहीं बल्कि पूरे परिवार के साथ विराजमान हैं। इस मंदिर में बप्पा की पत्नियां रिद्धि और सिद्धि, पुत्र शुभ और लाभ व उनके वाहन मूषक भी साथ में विराजमान हैं। यही वजह है कि यह त्रिनेत्र गणेश मंदिर अन्य मंदिरों से अलग है।

जानें मंदिर की कहानी

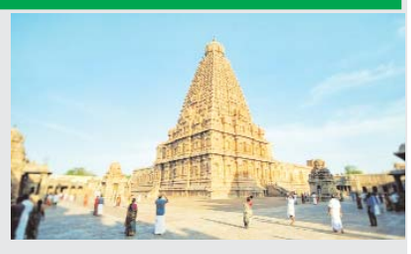
रणथंभौर के राजा हम्मीर 13वीं शताब्दी के अंत में अलाउद्दीन खिलजी से युद्ध कर रहे थे। लंबे समय तक चले घेराव की वजह से किले में अनाज और अन्य जरूरी चीजों की कमी हो गई। ऐसे में राजा हम्मीर चिंतित हो उठे कि अब प्रजा का क्या होगा। उस दौरान रात में राजा को सपने में भगवान गणेश के दर्शन हुए और उनको आश्वासन दिया कि सुबह तक सब ठीक हो जाएगा। अगली सुबह किले में चमत्कार हुआ, भगवान गणेश की त्रिनेत्र प्रतिमा प्रकट हुआ और राजा हम्मीर के भंडार अनाज से भर गए। जिसके बाद युद्ध भी समाप्त हो गया। वहीं इस घटना के बाद राजा हम्मीर ने 1300 ईस्वी में इस मंदिर का निर्माण कराया था।

महत्व : भक्तों का मानना है कि इस मंदिर में पूरे परिवार के दर्शन मात्र से घर-परिवार में सुख-शांति और समृद्धि आती है। भगवान गणेश का तीसरा नेत्र शक्ति और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां मंदिर में दर्शन करने से जीवन की सभी परेशानियां दूर होती हैं।

चिट्ठी लिखने की परंपरा

त्रिनेत्र गणेश मंदिर की एक खास और अनोखी परंपरा इसको सबसे अलग बनाती है। यहां पर श्रद्धालु बप्पा को चिट्ठी लिखते हैं। हजारों चिट्ठियां रोज मंदिर पहुंचती हैं। इन चिट्ठियों में लोग अपनी समस्याएं, इच्छाएं और दुआएं लिखकर भेजते हैं। वहीं मंदिर के पुजारी बप्पा के चरणों में इन चिट्ठियों को अर्पित कर देते हैं। माना जाता है कि सच्चे मन और श्रद्धा के साथ लिखी चिट्ठी का उत्तर बप्पा जरूर देते हैं और मनोकामना पूरी करते हैं। रणथंभौर का यह मंदिर सिर्फ पूजा-अर्चना का स्थान नहीं है। बल्कि यह विश्वास और चमत्कार का भी प्रतीक माना जाता है। यहां पर बप्पा को परिवार सहित देखकर अनुभव होता है कि परिवार और आस्था का बंधन की जीवन को पूर्ण बनाता है।

तंजावुर में स्थित भगवान शिव का ऐतिहासिक बृहदेश्वर मंदिर : शिखर की परछाई जमीन पर क्यों नहीं पड़ती



भारत में कई प्राचीन मंदिर हैं, जिनकी अपनी-अपनी कहानियां हैं। देश के करीब सभी मंदिर गणित, विज्ञान और वास्तुकला की ऐसी अद्भुत मिसाले हैं, जिनको देखकर इंजीनियर और वैज्ञानिक भी हैरान रह जाते हैं। ऐसा ही एक मंदिर तमिलनाडु के तंजावुर शहर में है। भगवान शिव को समर्पित यह बृहदेश्वर मंदिर बेहद अद्भुत है। आमतौर पर अधिकतर मंदिरों के शिखर की परछाई धूप के कारण जमीन दिखाई देती है। लेकिन बृहदेश्वर मंदिर के शिखर की परछाई कभी जमीन पर नहीं पड़ती है। **रहस्यमयी बृहदेश्वर मंदिर:** भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय और यूनेस्को की विश्व धरोहर लिस्ट के मुताबिक 11वीं शताब्दी में राजा राजराज चोल ने बृहदेश्वर मंदिर का निर्माण कराया था। यह मंदिर मजबूत ग्रेनाइट पत्थरों से बना है। उस समय जब क्रेन जैसी आधुनिक मशीनें नहीं होती थीं, तो चोल कालीन कारीगरों की सहायता से पत्थरों को सैकड़ों फीट ऊपर लेकर जाकर मंदिर का निर्माण कराया गया था। 1000 साल पुराने और शानदार मंदिर की बनावट इतनी गजब की है कि इस मंदिर के शिखर यानी की गुंबद की परछाई कभी जमीन पर नहीं पड़ती है। इस रहस्य को लेकर वैज्ञानिक आज भी हैरान हैं। **मंदिर के शिखर की परछाई से जुड़ा रहस्य :** बृहदेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर पूरे भारत में फेमस है और इसका मुख्य रहस्य मंदिर के शिखर से जुड़ा है। इस मंदिर का शिखर करीब 216 फीट ऊंचा है। इस शिख? के ऊपरी हिस्से पर 80 टन के एक पत्थर से बना कलश रखा है। दिन के समय जब सूर्य ठीक सिर के ऊपर होता है या फिर धूप ढलती है, तो इसके मुख्य शिखर की परछाई मंदिर परिसर के जमीन पर नहीं गिरती है। **जानें क्या है वैज्ञानिकों और आर्किटेक्ट्स की राय :** सिविल इंजीनियरिंग और ऐतिहासिक वास्तुकला में इसके बार में बताया गया है। वैज्ञानिकों और आर्किटेक्ट्स की मानें, तो बृहदेश्वर मंदिर को खास गणितीय और ज्यामितीय कोणों के आधार पर डिजाइन किया गया है। मंदिर का चबूतरा काफी चौड़ा है और शिखर की बनावट एक खास कोण में बनाई गई है। इस अलग और अद्भुत संरचना के कारण मंदिर के शिखर की परछाई जमीन तक नहीं आती है और मंदिर के आधार में ही समा जाती है। **बिना सीमेंट और केमिकल के बना है मंदिर :** बृहदेश्वर मंदिर के निर्माण में चूना, सीमेंट या फिर अन्य किसी तरह के जोड़ने वाले केमिकल का इस्तेमाल नहीं किया गया है। यहां पर पत्थरों को आपस में जोड़ने के लिए पजल लॉक या इंटरलॉकिंग तकनीक का यूज किया गया है। मंदिर के प्रांगण में बाहर की ओर नंदी महाराज की मूर्ति स्थापित है। एक बड़े पत्थर को तराशकर इस मूर्ति का निर्माण किया गया है।

संकटमोचन हनुमान की पूजा में मंत्रों का जप बदल सकता है आपकी जिंदगी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर किसी के पास कोई न कोई परेशानी जरूर है। वहीं हिंदू धर्म में हनुमान जी को 'संकटमोचन' कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि जो भी जातक सच्चे मन से हनुमान जी की पूजा-अर्चना करता है, तो उसके जीवन से बड़े से बड़े संकट पल भर में दूर हो जाते हैं। ऐसे में अगर आपके जीवन में भी बीमारी, तनाव, करियर संबंधी परेशानी या किसी अनजाने डर से परेशान रहते हैं, तो आपको हनुमान जी के कुछ खास मंत्रों का जप करना चाहिए। इन मंत्रों का जप करने से आपकी पूरी जिंदगी बदल सकती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हनुमान जी के 6 चमत्कारी मंत्र के बारे में बताने जा रहे हैं और साथ ही इन मंत्र जप से होने वाले फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

डर और निगेटिविटी दूर करने के लिए मंत्र

ॐ दक्षिणमुखाय पच्चमुख हनुमते करालबदनाय।

अगर किसी व्यक्ति को रात में डर लगता है, मन में हमेशा घबराहट होती है या फिर बुरे सपने आते हैं। तो मंगलवार को इस मंत्र का जप करना चाहिए। इस मंत्र का जप करने से हर तरह की निगेटिविटी एनर्जी से एक कवच की तरह हमारी रक्षा करता है।

जोश और सकारात्मक ऊर्जा के लिए मंत्र

नारसिंहाय ॐ हां हीं हूं हौं हः सकलभीतप्रेतदमनाय स्वाहा।

जब आपको ऐसा महसूस हो कि शरीर में ऊर्जा की कमी है या फिर आप पर निराशा हावी हो रही है, तो कम से कम 21 बार इस मंत्र का जप करें। इस मंत्र का जप करने से आपके अंदर फौरन एक नया जोश और गजब की सकारात्मकता महसूस होगी।

शत्रुओं से रक्षा और आत्मविश्वास के लिए मंत्र

ॐ पूर्वकपिमुखाय पच्चमुख हनुमते टं टं टं टं टं सकल शत्रु सहंरणाय स्वाहा।

अगर अक्सर लोग बिना बात के ही आपके दुश्मन बन जाते हैं, तो मंगलवार या शनिवार को इस मंत्र का जाप करना चाहिए। इस मंत्र के जाप से न सिर्फ आपके अंदर आत्मविश्वास आता है, बल्कि बना मतलब के बने विरोधी भी शांत रहते हैं।

नौकरी और तरक्की में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए मंत्र

मर्कटेश महोत्साह सर्वशोक विनाशन।

अगर किसी व्यक्ति को खूब मेहनत करने के बाद भी आपको करियर में वह मुकाम हासिल नहीं हो रहा है, जिसके आप हकदार हैं, तो हर मंगलवार को इस मंत्र का 108 बार जप करना चाहिए। इस मंत्र का जाप करने से व्यापार और नौकरी से जुड़ी रुकावटें दूर होती हैं।

हर मनोकामना पूरी करने वाली चौपाई

मंगल भवन अमंगलहारी द्रवहु सो दशरथ अजिर विहारी।

यह रामचरितमानस की चौपाई है, अगर कोई व्यक्ति रोजाना इस चौपाई का पाठ करते हैं, तो शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के कष्टों से मुक्ति मिलती है। सफलता और रोग मुक्ति के लिए मंत्र

ऊं हं हनुमते नमः

भले ही यह मंत्र छोटा है, लेकिन इसका असर उतना ही बड़ा है। रोजाना सुबह स्नान आदि करने के बाद इस मंत्र का जाप करने से बीमारियां दूर होती हैं और कार्यों में सफलता प्राप्त होती है।



जल जीवन मिशन से बदली ग्राम अलोनिया की तस्वीर, हर घर जल बना खुशहाली का आधार.....



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - सिवनी विकासखंड सिवनी की ग्राम पंचायत अलोनिया कभी पेयजल संकट से जूझने वाला गांव था। लगभग 647 की आबादी वाले इस गांव में लोगों को पानी के लिए दूर-दराज के स्त्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। गर्मी के दिनों में स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती थी। महिलाओं और बच्चों का काफी समय पानी लाने में व्यतीत होता था। लेकिन अब जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित बंडोल ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना ने गांव की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल दी हैं। योजना के तहत ग्राम अलोनिया में 133 परिवारों को फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफएचटीसी) प्रदान किए गए हैं। गांव में स्थापित ओवरहेड टैंक और सुव्यवस्थित पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से प्रत्येक घर तक स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल पहुंच रहा है। जल वितरण को व्यवस्थित बनाने के लिए 6 वाल्व और 8 वाल्व चैंबर बनाए गए हैं, जिनके माध्यम से प्रतिदिन निर्धारित समय पर सभी मोहल्लों में जलापूर्ति की जाती है। गांव में जल की उपलब्धता के साथ-साथ उसकी गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रशिक्षण दिया गया है और वे नियमित रूप से पानी की जांच कर ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जल उपयोग की निगरानी के लिए वाटर मीटर भी लगाए गए हैं। योजना के सफल संचालन एवं रखरखाव के लिए गांव में विलेज वाटर एंड सैनिटेशन कमेटी (श्हरउ) का गठन किया गया है। समिति जल कर संग्रहण, संचालन और रखरखाव का कार्य कर रही है, जिससे योजना का संचालन निरंतर और प्रभावी रूप से हो रहा है। ग्रामीणों की सहभागिता ने इस योजना को और अधिक मजबूत बनाया है। जल जीवन मिशन का प्रभाव केवल पानी की उपलब्धता तक सीमित नहीं रहा है। गांव के माध्यमिक विद्यालय और आंगनवाड़ी केंद्रों में भी अब पर्याप्त पानी उपलब्ध है। पहले जहां पानी की समस्या के कारण बच्चों और महिलाओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, वहीं अब समय की बचत हो रही है और दैनिक जीवन अधिक सुविधाजनक बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन ने उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। पहले पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता था, जबकि अब घर पर ही नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इससे न केवल श्रम और समय की बचत हुई है, बल्कि स्वास्थ्य, स्वच्छता और जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। ग्राम अलोनिया आज जल जीवन मिशन की सफलता का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया है। ग्रामवासी जल जीवन मिशन जैसे महत्वाकांक्षी अभियान के क्रियान्वयन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।



अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के लिए कार्यक्रम आयोजित



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - सिवनी, जिला कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण संचालनालय, मध्यप्रदेश के निदेर्शानुसार अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर सी.डब्ल्यू.एस.एन. छात्रावास में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के अधिकारों, सुविधाओं एवं उनके लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। नोडल अधिकारी श्री संदीप परते ने अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के महत्व एवं उद्देश्यों की जानकारी दी। साथ ही सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों, विशेष रूप से श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं तथा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत प्राप्त अधिकारों एवं सुविधाओं के संबंध में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया गया।कार्यक्रम में सी.डब्ल्यू.एस.एन. छात्रावास में निवासरत श्रवणबाधित दिव्यांग बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बच्चों ने पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथा मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की मनोवैज्ञानिक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर श्रवणबाधित दिव्यांगजन, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी जनपद पंचायत सिवनी प्रशांत सोनी, एपीसी जिला शिक्षा केंद्र श्री हरीश बर्मन, विशेष शिक्षक श्रीमती वर्षा चौहान सहित सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।



नगर पालिका अध्यक्ष श ज्ञानचंद सनोडिया ने नगर वासियों को दी अनंत चर्तुदशी पर्व की शुभकामनाएं



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - नगर पालिका सिवनी द्वारा बनाये गये निर्धारित अस्थाई जल कुंडों में मूर्ति विजर्सन करने नागरिको से की अपीलसिवनी नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया ने सभी नगर वासियों को अनंत चर्तुदशी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए भगवान श्री गणेश से नगर की खुशहाली एवं नागरिकों के सभी संकट दूर करने की प्रभु श्री गणेश से कामना की है। साथ ही नपा अध्यक्ष द्वारा नगर वासियों से श्री गणेश जी की मूर्ति का विसर्जन नगर पालिका सिवनी द्वारा बनाये गये निर्धारित अस्थाई जल कुंड मठ मंदिर सिवनी, दलसागर सिवनी एवं लखनवाड़ा वैनगंगा घाट में करने की अपील की गई है।

विदित होवे कि गणेश उत्सव पर्व के समापन अवसर पर नगर पालिका परिषद सिवनी अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोडिया द्वारा गत दिवस नगर पालिका सिवनी द्वारा बनाये गये अस्थाई मूर्ति विसर्जन कुंडो का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया एवं स्थिति का जायजा लिया साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को घाटों पर स्वच्छता रखने के लिये निर्देश दिये गये। आपके द्वारा नागरिको से अपील की गई है कि भगवान श्री गणेश जी की मूर्ति का विसर्जन नगर पालिका द्वारा बनाये गये अस्थाई जल कुंड मठ मंदिर सिवनी, दलसागर सिवनी एवं लखनवाड़ा वैनगंगा घाट में ही करें या अपने घरों में करें ताकि नदी, तालाब एवं अन्य प्राकृतिक जलस्त्रोतो का प्रदूषण रोका जा सकें। सभी नगरवासी निर्धारित व्यवस्था का पालन करें एवं नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाये रखने में योगदान दे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सुभाष चंद्र बोस शासकीय कन्या महाविद्यालय में लाइसेंस शिविर आयोजित.....



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - सिवनी, कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में जिले में संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत सुभाष चंद्र बोस शासकीय कन्या महाविद्यालय, सिवनी में लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य छात्राओं को आवश्यक शासकीय सेवाएं उनके अध्ययन स्थल पर ही सहज एवं सुविधाजनक रूप से उपलब्ध कराना रहा। शिविर में छात्राओं को ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवश्यक प्रक्रिया एवं सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही मौके पर ही आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर 70 छात्राओं के ड्राइविंग लाइसेंस बनाए गए। इससे छात्राओं को लाइसेंस बनवाने के लिए अलग से कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में संचालित सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से विभिन्न शासकीय सेवाओं को आमजन तक सरल, सुगम और प्रभावी तरीके से पहुंचाने के लिए निरंतर गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। महाविद्यालय में आयोजित यह शिविर भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

सिवनी के दो सरस्वती शिशु मंदिरों में होगा सामूहिक गायन, एक समय-एक स्वर-एक लय में शामिल होंगे विद्यार्थी एवं नागरिक

नमामि भारतम् के तहत 25 सितंबर को एक साथ गूंजेगा वंदे मातरम्

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- राष्ट्रगीत ह्यवंदे मातरम्ह्ण के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा देशभर में ह्यनमामि भारतम्ह्ण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार, 25 सितंबर 2026 को प्रातः 11 बजे सिवनी में दो स्थानों पर एक समय, एक स्वर, एक लय और एक ताल में सामूहिक वंदे मातरम् गायन किया जाएगा। आयोजन सरस्वती शिशु/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भैरोगंज सिवनी तथा सरस्वती शिशु मंदिर, केशव कुंज, पीजी कॉलेज के सामने सिवनी में होगा। विद्याभारती ने देशभर में इस आयोजन के माध्यम से करीब एक करोड़ लोगों की सहभागिता का लक्ष्य रखा है। आयोजन की विशेषता यह रहेगी कि देशभर में विद्याभारती के अंतर्गत संचालित सरस्वती शिशु मंदिरों में निर्धारित समय पर सामूहिक गायन किया जाएगा। कार्यक्रम की प्रमाणिकता के लिए जियो-टैग युक्त कैमरों से फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की जाएगी। उपस्थित प्रतिभागियों की संख्या, कार्यक्रम की समयबद्धता तथा गायन से संबंधित विवरण का भी प्रमाणीकरण किया जाएगा।

अधिकारी एवं अतिथि रहेंगे मौजूद

कार्यक्रम में साक्षी एवं अतिथि के रूप में शासकीय कन्या महाविद्यालय सिवनी के प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश सरवैया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पंकज दुबे, शासकीय मठ कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती आभा दुबे, बीडीओ सिवनी श्री वीकेश बिसेन, उत्कृष्ट विद्यालय सिवनी के व्याख्याता श्री पी.पी. पाण्डे, संगीत विशेषज्ञ शासकीय शिक्षक जमुनिया श्री नेत्रपाल दुबे, पोस्टमास्टर सिवनी श्री रूपनारायण उपाध्याय एवं प्रो. आशुतोष गौर सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। विद्याभारती महाकौशल प्रांत के प्रादेशिक सहसचिव श्री नितिन चौधरी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के प्रति श्रद्धा, राष्ट्रप्रेम तथा राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को जागृत करना है। कार्यक्रम के संबंध में विद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष श्री नितिन चौधरी, कोषाध्यक्ष श्री मनोजमर्दन त्रिवेदी, प्राचार्य श्री ओमप्रकाश यादव, कार्यक्रम संयोजक श्री कृष्णमुरारी दुबे एवं कार्यक्रम समन्वयक श्री प्रकाश गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने मीडिया कर्मियों एवं पत्रकार बंधुओं से आयोजन को सफल बनाने में सहयोग की अपेक्षा की है। समस्त पत्रकार बंधुओं को कार्यक्रम में सादर आमंत्रित किया गया है।

मवेशी बचाने गए किसान पर टाइगर का हमला:हाथ पैर और पेट पर जख्म, नागपुर रेफर, गांवों में दहशत



सिवनी। सिवनी वन क्षेत्र के बरघाट प्रोजेक्ट के बहदाबाद बीट के कंपार्टमेंट नंबर 688 में गुरुवार शाम एक किसान पर बाघ ने हमला कर दिया। किसान अपनी भैंस को बाघ के हमले से बचाने के लिए उसके पास पहुंचा था। इसी दौरान बाघ ने उस पर हमला कर दिया, जिससे किसान के हाथ, पैर और पेट में चोटें आईं। इस घटना के बाद विखली समेत आसपास के गांवों में डर फैल गया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम विखली के रहने वाले 56 साल के टेकचंद अबथरे, जो मूलचंद अबथरे के बेटे हैं, गुरुवार को जंगल में भैंस चराने गए थे। तभी एक बाघ ने उनकी एक भैंस पर हमला कर दिया। टेकचंद अपनी भैंस को बचाने के लिए आगे बढ़े, तभी बाघ ने उन पर हमला कर दिया। किसान के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों की आवाज सुनकर बाघ जंगल की ओर भाग गया। घायल टेकचंद को तुरंत कुरई लाया गया, जहां उन्हें शुरूआती इलाज दिया गया। उनकी हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें आगे के इलाज के लिए नागपुर रेफर कर दिया। परिक्षेत्र अधिकारी सीएस वरकड़े ने बताया कि किसान अब खतरे से बाहर है और उसका इलाज चल रहा है। बाघ के इस हमले के बाद ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है, खासकर उन लोगों की सुरक्षा को लेकर जो जंगल में मवेशी चराने जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग को जंगल से लगे इलाकों में नियमित गश्त बढ़ानी चाहिए और बाघ की गतिविधियों पर भी नजर रखनी चाहिए।

सिवनी में पर्युषण पर्व, बच्चों ने दिया संयम का संदेश

सिवनी। सिवनी जिले में जैन समाज का पर्युषण पर्व धार्मिक आयोजनों के साथ मनाया जा रहा है। धनोरा में बुधवार रात पाठशाला के कार्यक्रम में बच्चों ने धार्मिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। प्राचीन कथा पर आधारित नाट्य मंचन के जरिए बच्चों ने संयम और विवेक का महत्व समझाया। पाठशाला कार्यक्रम का संचालन जिया, ऋषिका और रिया ने किया। उनकी टीम की लड़कियों ने धार्मिक कथाओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। प्राचीन कथा पर आधारित नाट्य मंचन कार्यक्रम का खास हिस्सा रहा।

'त्रिया हठ' के जरिए समझाया संयम और विवेक

नाट्य मंचन में 'त्रिया हठ', संयम और विवेक के असर को दिखाया गया। बच्चों ने अभिनय और संवाद के जरिए संदेश दिया कि किसी भी परिस्थिति में विवेक और संयम नहीं छोड़ना चाहिए। मौजूद लोगों ने बच्चों के संवाद और अभिनय की तारीफ की।पाठशाला की लड़कियों ने धार्मिक कथाओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए नई पीढ़ी को धर्म और संस्कारों से जोड़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालुओं ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया और उनकी प्रस्तुतियों की सराहना की।

नई जिम्मेदारी मिलने पर संगठन पदाधिकारियों एवं इष्ट-मित्रों ने दी बधाई

नरेश उर्फ नीलू यादव बने भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के आईटी जिला प्रभारी



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला सिवनी की जिला कार्यकारिणी की घोषणा जिला अध्यक्ष रविशंकर पाल द्वारा की गई है। कार्यकारिणी में विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने की दिशा में नई नियुक्तियां की गई हैं। घोषित कार्यकारिणी में नरेश उर्फ नीलू यादव को आईटी जिला प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई जिम्मेदारी मिलने पर भाजपा संगठन से जुड़े पदाधिकारियों, कार्यकताओं, शुभचिंतकों एवं इष्ट-मित्रों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। नियुक्ति के बाद नरेश उर्फ नीलू यादव ने संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की विचारधारा, गतिविधियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी को डिजिटल माध्यमों के जरिए अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। भाजपा कार्यकताओं एवं शुभचिंतकों ने नरेश उर्फ नीलू यादव को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

NH-44 पर मवेशियों को बचाने में आयशर ट्रक पलटा:सतना से बालाघाट जा रहा था वाहन

सिवनी। सिवनी जिले के छपारा थाना क्षेत्र में ठल्ह-44 पर बुधवार रात करीब 2 बजे गेहूं से भरा आयशर ट्रक पलट गया। कुहिया गांव के पास अचानक सड़क पर आए आवारा मवेशियों को बचाने की कोशिश में चालक ने वाहन संभालने का प्रयास किया, लेकिन ट्रक बेकाबू होकर पलट गया। हादसे में चालक घायल हो गया।

सतना से बालाघाट जा रहा था ट्रक आयशर ट्रक सतना से गेहूं लेकर बालाघाट जा रहा था। कुहिया गांव के पास अचानक कुछ मवेशी ट्रक के सामने आ गए।चालक ने उन्हें बचाने के लिए ट्रक मोड़ने की कोशिश की। इसी दौरान वाहन सड़क पर पलट गया।

गेहूं की बोरियां सड़क पर बिखरीं- ट्रक पलटने के बाद उसमें रखी गेहूं की बोरियां सड़क पर बिखर गईं। कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ। मौके पर मौजूद टीम ने बोरियां हटाकर रास्ता साफ कराया। हादसा देर रात हुआ, इसलिए सड़क पर ज्यादा लोग या वाहन मौजूद नहीं थे। इससे बड़ी जनहानि नहीं हुई।

घायल चालक को लखनादौन अस्पताल भेजा

प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में सेवा भाव को भी किया चरितार्थ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सेवा संकल्प बाईक यात्रा के राइडर्स से किया वर्चुअल संवाद : प्रधानमंत्री श्री मोदी को, प्रदेश के बाइक राइडर श्री दीपेश गोटी ने अपनी यात्रा के साझा अनुभव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवास जिले के पुंजापुरा में किया सेवा संकल्प बाइक राइडर्स का स्वागत

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत वाराणसी से वडनगर तक निकाली जा रही है यात्रा

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 35 लाख से अधिक हितग्राहियों को सिंगल क्लिक से 212 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में निरंतर परिश्रम, अनुशासन और राष्ट्र धर्म की भावना के साथ काम किया है। वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी संवैधानिक जिम्मेदारी की शुरूआत हुई और आज वे देश के प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के हर व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास उनकी कार्यशैली में स्पष्ट दिखाई देता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश को भव्य और दिव्य श्रीराम मंदिर की सौगात दी। इसके साथ ही राम राज्य की संकल्पना को साकार करते हुए हर गरीब को घर, पर्याप्त भोजन और बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत वडनगर से वाराणसी जा रही युवाओं की बाइक यात्रा का देवास जिले के पुंजापुरा में स्वागत करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के प्रदेश के 35 लाख 42 हजार हितग्राहियों को सिंगल क्लिक से 212 करोड़ 57 लाख रुपए की राशि उनके खातों में अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने करणावत पुलिस सहायता केंद्र को पुलिस थाना बनाने, पुलिस जवानों के लिए आवास निर्माण करने तथा शासकीय गोदाम के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में सेवा संकल्प बाइक यात्रा में बाइक राइड भी की। मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी प्रदान की। हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। उन्होंने बाइक राइडर्स के साथ पौधरोपण भी किया। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा तथा सांसद श्री वी.डी. शर्मा इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित थे।

शाजापुर जिले के निवासी हैं श्री दीपेश गोटी : प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वडनगर से वाराणसी के लिए निकाली गई ह्यसेवा संकल्प बाइक यात्राह्ल में शामिल राइडर्स से अलग-अलग स्थानों से वर्चुअली संवाद किया। देवास जिले के पुंजापुरा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में बाइक राइडर्स दल के सेवा यात्री श्री दीपेश गोटी ने प्रधानमंत्री से संवाद में अब तक की अपनी यात्रा के अनुभव साझा किए। शाजापुर जिले के निवासी श्री गोटी ने बताया कि यात्रा के दौरान अन्य राज्यों के युवाओं से दूसरी भाषाएं सीखने और उनकी संस्कृति से परिचित होने का अवसर मिला है। रास्ते में पीएम आवास के हितग्राहियों से मुलाकात हुई। विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को नमो ऐप से जोड़ा जा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के युवाओं की उद्यमशीलता को सराहा : प्रधानमंत्री श्री मोदी के वड़नगर में स्थानीय लोगों से संपर्क बढ़ाने के सवाल पर श्री दीपेश गोटी ने बताया कि उन्होंने अपने व्यापार-व्यवसाय की दृष्टि से कुछ स्थानीय लोगों के मोबाइल नंबर लिए हैं। इस पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह अच्छी बात है। अब मध्यप्रदेश का भी मिजाज बदल रहा है। मध्यप्रदेश के युवा भी जहां जा रहे है, वहां व्यापार के अवसर खोज रहे हैं, उनमें उद्यमशीलता भरी है। मध्यप्रदेश के युवाओं ने सेवा संकल्प यात्रा में 'माय प्रामिस टू मोदी जी' का नवाचार किया है, जिसमें 25 सेवा कार्य लिस्ट किए हैं और हर सेवा यात्री को किसी एक सेवा का संकल्प दिलाया जा रहा है।

भारतीय संस्कृति में यात्राओं का विशेष महत्व : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि यात्रा के दौरान सेवा, जनसंवाद और राष्ट्रीय एकता से जुड़े संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। हमारी संस्कृति में प्राचीन काल से यात्राओं का विशेष महत्व रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशवासियों की सेवा के लिए अपने संकल्प से जीवन का प्रत्येक क्षण और अपना कण-कण राष्ट्र को समर्पित किया है। प्रत्येक नागरिक के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी लगातार सक्रिय हैं ।

पं. दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिवस 25 सितंबर से प्रदेशवासियों को मिलेगी सुगम परिवहन सुविधा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवास का बागली तपोनिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कैलाश जोशी का कार्य क्षेत्र रहा है। समर्पित कार्यकताओं के अथक परिश्रम के माध्यम से ही विकास और जनकल्याण की यात्रा निरंतर जारी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार सेवा और जनकल्याण की सभी योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर मध्यप्रदेश में 20 साल से बंद राज्य परिवहन निगम की बसों के संचालन का फिर श्रीगणेश होने जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में 5 लाख किलोमीटर का सड़क नेटवर्क है, प्रदेश में हाइवे और एक्सप्रेस-वे भी तेजी से बनाए जा रहे हैं। राज्य परिवहन निगम की बसें नगरीय निकायों, एक शहर से दूसरे शहर और दूसरे राज्यों तक भी चलाई जाएंगी। प्रदेश की ग्रामीण आबादी को भी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा का लाभ मिलेगा।

राज्य सरकार किसानों, बहनों और युवाओं के कल्याण के लिए सतत सक्रिय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने के लिए संकल्पित है। माँ नर्मदा की कृपा से देवास जिले को भी सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिल रहा है। प्रदेश में अब तक सिंचित कृषि भूमि का रकबा 65 लाख हैक्टेयर तक पहुंच चुका है। वर्ष 2002-03 तक गेहूं का मूल्य 300-400 रुपए प्रति क्विंटल से आगे नहीं बढ़ा, लेकिन अब राज्य सरकार किसानों को उनकी उपज का बेहतर दाम दे रही है। इस वर्ष एमएसपी पर 40 रुपए बोनस का लाभ देते हुए किसानों से 2625 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदा है। दूसरी ओर, लाड़ली बहनों को राशि भी हर माह बैंक खाते में भेजी जा रही है। जिन बहनों को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का लाभ नहीं मिल रहा है, अगले वर्ष पात्रतानुसार उनके नाम भी जोडे जाएंगे। अब तक 55 हजार करोड़ से अधिक राशि लाड़ली बहनों को दी गई है।

प्रदेश में प्राथमिक शाला स्तर पर शून्य हुई ड्रॉप आउट दर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के युवाओं और बच्चों को बेहतर शिक्षा और रोजगार देने के लिए सभी प्रयास किए गए हैं। शासकीय स्कूलों के मेधावी बच्चों को लैपटॉप, स्कूटी, साइकिलें, किताबें और स्कॉलरशिप दी जा रही है। प्रदेश के सरकारी प्राथमिक स्कूलों में ड्रॉप आउट दर कभी 16 प्रतिशत थी, लेकिन हमारी सरकार के प्रयासों से अब ड्रॉप आउट दर शून्य हो गई है। राज्य सरकार ने स्कूल शिक्षा का बजट 38 हजार करोड़ तय किया है।

मध्यप्रदेश में सबसे कम है बेरोजगारी दर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वड़नगर से वाराणसी और वाराणसी से वड़नगर तक 35 हजार किलोमीटर से अधिक दूरी की बाइक सेवा यात्रा निकाली जा रही है। लगभग 17 हजार किलोमीटर यात्रा अर्थात आधी से अधिक दूरी मध्यप्रदेश की धरती पर तय होगी। प्रदेश का युवा जिम्मेदार और जागरुक बनें उनके आधार पर ही भविष्य का मध्यप्रदेश और देश समृद्ध बनेगा। प्रदेश सरकार ने पुलिस विभाग में 18 हजार पदों पर नई भर्ती की है। एमएसएमई सेक्टर से 1 करोड़ 20 लाख लोगों को रोजगार मिल रहा है। मध्यप्रदेश में बेरोजगारी दर देश में सबसे कम है। देवास के पुंजापुरा में हुए कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

कार्यक्रम में सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, बागली विधायक श्री मुरली भंवरा, विधायक खातेगांव श्री आशीष शर्मा, विधायक हाटपीपल्या श्री मनोज चौधरी, विधायक सोनकच्छ डॉ. राजेश सोनकर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लीला अटारिया, श्री राय सिंह सेंधव, श्री राजीव खंडेलवाल, श्री बहादुर मुकाती, श्री राजेश यादव, श्री मनीष सोलंकी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारीगण, सेवा संकल्प बाइक यात्रीगण, गणमान्य नागरिकों के साथ बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

भोपाल में गणेश मूर्तियों के विसर्जन की तैयारी

7 घाट पर 13 क्रेन, 12 पोकलेन, 184 गोताखोर तैनात; रास्तों में लगाई 1665 लाइट



भोपाल। भोपाल में प्रथम पूज्य श्री गणेश को भक्त विदाई दे रहे हैं। डोल ग्यारस (एकादशी) से ही मूर्तियों का विसर्जन शुरू हो गया है, जो अनंत चतुर्दशी तक चलेगा। जगह-जगह से विसर्जन जुलूस निकाले जाएंगे। ऐसे में घाटों पर कोई हादसा न हो, इसलिए नगर निगम और पुलिस ने प्लान बनाया है। सभी घाटों पर लाइफ जैकेट, ट्यूब आदि संसाधनों के साथ कर्मचारी तैनात रहेंगे तो लोगों के पानी में उतरने की मनाही रहेगी। नगर निगम दो दर्जन से ज्यादा स्थानों पर स्टॉल लगाएगा। जहां पर लोग मूर्तियां दे सकेंगे। फिर सामूहिक रूप से विसर्जन होगा। सभी प्रमुख 7 घाटों पर 13 क्रेन, 12 पोकलेन और 184 गोताखोर तैनात रहेंगे। क्रेन और पोकलेन की मदद से भक्त मूर्तियों का विसर्जन कर सकेंगे। लोग विसर्जन जुलूस या चल समारोह निकालकर घाटों पर पहुंचेंगे। ऐसे में घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था बड़ी चुनौती रहेगी। जिसकी तैयारियां जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम ने कर ली है।

पूजा के बाद मूर्तियों को लेगा निगम : शहर के लालघाटी चौराहा, गांधी नगर, करोंद चौराहा, कोलार, रायसेन रोड, अवधपुरी समेत पुराने शहर के दो दर्जन से ज्यादा स्थानों पर नगर निगम मूर्तियों के लिए स्टॉल लगाएगा। पूजा के बाद लोग मूर्तियां स्टॉल तक लाएंगे। इसके बाद निगम उनका सामूहिक रूप से विसर्जन करेगा। कई स्थानों पर स्टॉल बना दिए गए हैं।

चंद्रशेखर एमपी बीजेपी के संगठन महामंत्री बने

हितानंद शर्मा की संघ में वापसी के आठ महीने बाद एमपी में हुई नियुक्ति

भोपाल। मध्य प्रदेश भाजपा को करीब 8 महीने बाद नया प्रदेश महामंत्री (संगठन) मिल गया है। भाजपा के केंद्रीय संगठन की ओर से जारी नियुक्तियों की सूची में चंद्रशेखर को मध्य प्रदेश का प्रदेश महामंत्री (संगठन) बनाया गया है। आदेश में उनका केंद्र भोपाल रखा गया है। वे अब प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालेंगे। चंद्रशेखर की नियुक्ति के साथ ही जनवरी से खाली चल रहे इस महत्वपूर्ण पद पर करीब 236 दिन बाद पूर्णकालिक नियुक्ति हुई है। इस दौरान क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में संगठन का काम देख रहे थे। दरअसल, 31 जनवरी 2026 को मध्य प्रदेश भाजपा के तत्कालीन संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा की संघ में वापसी हुई थी। उन्हें आरएसएस के मध्य क्षेत्र का सह-बौद्धिक प्रमुख बनाया गया था और उनका केंद्र जबलपुर तय किया गया था। हितानंद सितंबर 2020 में भाजपा में सह-संगठन महामंत्री के रूप में आए थे और मार्च 2022 में सुहास भगत की संघ में वापसी के बाद प्रदेश संगठन महामंत्री बने थे। हितानंद के दायित्व परिवर्तन के बाद भाजपा ने तत्काल नए संगठन महामंत्री की नियुक्ति नहीं की। करीब आठ महीने तक यह पद खाली रहा। अब चंद्रशेखर की नियुक्ति से संगठन को पूर्णकालिक महामंत्री मिल गया है। चंद्रशेखर आरएसएस पृष्ठभूमि के प्रचारक रहे हैं और मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बांदा के रहने वाले बताए जाते हैं। वे इससे पहले संघ में काशी क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संगठन का काम कर चुके हैं।



भोपाल में सोमवार को निर्वाचन सदन घेरेंगे कांग्रेसी

जीतू पटवारी बोले- ज्ञानेश कुमार पर राजद्रोह का केस दर्ज होने तक लड़ेंगे; 34 लाख नाम हटाने का ब्योरा मांगा



भोपाल। भोपाल में सोमवार को मध्य प्रदेश कांग्रेस निर्वाचन सदन यानी चुनाव आयोग के कार्यालय का घेराव करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर राजद्रोह का केस दर्ज होने और उनके खिलाफ कार्रवाई होने तक कांग्रेस आंदोलन जारी रखेगी। कांग्रेस ने अंतिम मतदाता सूची से हटाए गए 34 लाख से ज्यादा नामों का विधानसभा, जिला और कारणवार ब्योरा सार्वजनिक करने की भी मांग की है। पटवारी ने कहा कि इसके बाद प्रदेशभर में जिला निर्वाचन अधिकारियों के कार्यालयों का घेराव किया जाएगा। कलेक्टर जिला निर्वाचन अधिकारी होते हैं, इसलिए मतदाता सूची से जुड़े सवालों को लेकर कांग्रेस जिला स्तर पर भी आंदोलन करेगी। उन्होंने यह ऐलान उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया, जिसमें चुनाव आयोग के भीतर दर्ज कथित लिखित आपत्तियों, रक्फ़ और मध्य प्रदेश की मतदाता सूची को लेकर जवाबदेही के सवाल उठाए गए। पटवारी ने कहा कि यह किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि हर मतदाता के अधिकार और मतदाता सूची की विश्वसनीयता का सवाल है।

14 लिखित आपत्तियों पर कांग्रेस ने मांगा जवाब : पटवारी ने द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज कीं। उनके मुताबिक ये आपत्तियां मतदाता पंजीकरण, मतदाता सूची से नाम हटाने और बहाल करने, ऋ्रह्वश्१-6 और चुनावी आईटी सिस्टम से जुड़े विषयों पर थीं। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस चुनाव आयोग पर कोई अप्रमाणित आरोप नहीं लगा रही है। सवाल उन दस्तावेजों से उठे हैं, जिनका उल्लेख मीडिया रिपोर्ट में किया गया है। उन्होंने मांग की कि इन आपत्तियों में क्या लिखा था, किन फैसलों पर आपत्ति हुई और उनका निपटारा कैसे किया गया, इसकी जानकारी सार्वजनिक की जाए।

सिंहस्थ सेवादूतों के लिए भोपाल में बनेगा अत्याधुनिक ट्रेनिंग सेंटर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ट्रेनिंग सेंटर बनने तक सांदीपनि विद्यालय भवन-परिसरों में होगा सेवादूतों का प्रशिक्षण : सिंहस्थ : 2028 के लिए 15 हजार से अधिक स्वयं सेवक संभालेंगे सेवा का मोर्चा



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ : 2028 विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह हमारी आध्यात्मिक चेतना, भारतीय संस्कृति और वैश्विक आस्था का विराट पर्व है। इसके भव्य और दिव्य आयोजन के लिए बड़ी संख्या में लोगों के साथ पूरी क्षमता के साथ तैयार होना होगा। यह हम सबका दायित्व है कि सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास में भारत स्काउट एंड गाइड के पदाधिकारियों एवं गाइड्स के साथ सिंहस्थ सेवा कार्य 2028 के संदर्भ में आयोजित एक विशेष संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ में भीड़ नियंत्रण सहित कई प्रकार की व्यवस्थाएं संभालने वाले स्काउट एंड गाइड के मास्टर ट्रेनर, सेवादूतों एवं स्वयं सेवकों के विधिवत प्रशिक्षण के लिए भोपाल में एक अत्याधुनिक ट्रेनिंग सेंटर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस ट्रेनिंग सेंटर के बनने एवं इसमें प्रशिक्षण शुरू होने तक आवश्यकतानुसार सांदीपनि विद्यालय के भवनों एवं परिसरों का इस्तेमाल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा, भारत स्काउट एवं गाइड का मूल मंत्र है और ह्यतैयार रहोह्ल इसका ध्येय वाक्य। स्काउट एंड गाइड ने अपने कार्य के आधार पर दुनिया में अलग ही पहचान बनाई है। पिछले 15 वर्षों से अधिक समय से उज्जैन सिंहस्थ के आयोजन में इस संगठन की कार्यशैली, सामर्थ्य और समर्पण को करीब से देखा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा किसुरक्षित और सुव्यवस्थित सिंहस्थ कराना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ : 2028 सेवा-भाव, प्रबंधन क्षमता और सुशासन की व्यापक परीक्षा भी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसी संदर्भ में अपील करते हुए कहा कि आप सबको सेवा के लिए, किसी भी चुनौती और अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए हमेशा की तरह तैयार रहना होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आजादी के बाद हुए पांच सिंहस्थों में भारत स्काउट-गाइड ने सेवा के कई अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किये हैं। सिंहस्थ 2028 में भीड़ प्रबंधन की चुनौती सबसे बड़ी होगी। उज्जैन सिंहस्थ में करीब 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ-2016 में करीब 7,500 स्काउट एवं गाइड ने 10 कैंपों के जरिए सेवाएं दी थीं। इस बार 15 हजार से अधिक प्रशिक्षित स्वयं सेवक 20 से अधिक कैंपों के माध्यम से सेवा का मोर्चा संभालेंगे। उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन संस्थान के सहयोग से 100 मास्टर ट्रेनर्स तैयार किए जाएंगे। प्रदेश के हर जिले से 500 तथा उज्जैन संभाग के सभी जिलों से एक-एक हजार युवाओं को सेवादूतों के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा।स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि उज्जैन में श्री महाकाल लोक के निर्माण के बाद तेजी से धार्मिक पर्यटन बढ़ा है। इस वर्ष यहां 12 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि भारत स्काउट एंड गाइड को सिंहस्थ में सेवा के लिए तैयार हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान तकनीक एवं सोशल मीडिया के इस दौर में स्काउट एंड गाइड को इंटरनेट और सोशल मीडिया से फैलने वाली अफवाहों को रोकने के लिए भी प्रशिक्षित होना होगा।

मध्यप्रदेश स्काउट एंड गाइड के राज्य कोषाध्यक्ष और सिंहस्थ सेवा दल के प्रभारी रहे श्री रमेश शर्मा ने बताया कि सिंहस्थ-2028 में स्काउट एंड गाइड को 30 से अधिक शिविरों के संचालन की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इनमें से 20 शिविर स्काउट-गाइड के होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं सिहस्थ के पूर्व आयोजनों में सेवादूत के रूप में कार्य कर चुके हैं। ऐसे धार्मिक आयोजनों में स्काउट एंड गाइड की भूमिका को बेहतर तरीके से समझते हैं। संगोष्ठी में भारत स्काउट एंड गाइड के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक अर्गल, संस्था के राज्य सचिव डॉ. प्रेम कुमार, सचिव स्कूल शिक्षा श्री संजय गोयल, आयुक्त लोक शिक्षण श्री अभिषेक सिंह सहित प्रदेश के सभी संभागों से आए सेवादूत उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी सेवादूतों के साथ समूह चित्र भी खिंचवाये।



बेटियों के लिए अ अक्षर से खूबसूरत नाम

सुनकर हर कोई दोहराएगा बार-बार



अपने बच्चों को हर अभिभावक सब कुछ बेस्ट देना चाहते हैं। शुरुआत उनके नाम से होती है। जन्म के बाद अभिभावक अपने बच्चे को सबसे पहले नाम देते हैं। एक नाम व्यक्ति की पहचान होता है, उसके व्यक्तित्व का प्रतीक होता है। इसलिए नाम ऐसा होना चाहिए जो आपके बच्चे को सबसे अलग और खास बनाए। अगर आपके घर पर बेटी का जन्म हुआ है तो उसे एक आधुनिक और शानदार नाम दें। बेटी का नाम अ अक्षर से रखना चाहते हैं तो यहां कुछ नए और खूबसूरत नामों की सूची दी जा रही है जो लड़कियों के लिए बेस्ट रहेंगे।

- **आर्या :** बेटी के लिए आधुनिक नाम की तलाश में हैं तो आर्या नाम रख सकते हैं। आर्या का अर्थ है श्रेष्ठ या उत्तम।
- **आद्या :** आद्या का मतलब है प्रारंभिक शक्ति या देवी दुर्गा का नाम। यह नाम अर्थपूर्ण होने के साथ ही बेटी के सशक्त व्यक्तित्व का प्रतीक है।
- **अयाशा:** बेटी के लिए यह नाम आधुनिक युग से मेल खाता हुआ है। अयाशा का अर्थ जीवन या जीवन की शक्ति है।
- **अस्वी:** लड़की का नाम अस्वी रख सकते हैं। अस्वी नाम का मतलब है अविश्वसनीय या अद्वितीय। यह नाम काफी खूबसूरत और नया सा है।
- **अनायरा :** बेटी का नया सा नाम रखना चाहते हैं तो अनायरा नामकरण कर सकते हैं। अनायरा का अर्थ ईश्वर का उपहार या कृपा से है। आपकी लाडली ईश्वर का उपहार ही तो है, उसे ये नाम दे सकते हैं।
- **अश्रिता :** अपनी नन्हीं परी का नाम अश्रिता रख सकते हैं। अश्रिता नाम का मतलब है सत्य और विश्वास।
- **अनुषा :** अनुषा नाम का अर्थ सुंदर सुबह या एक तारा होता है। शुभ शुरुआत या एक चमकती शुरुआत के लिए यह नाम अपना सकते हैं।
- **अधिश्री:** अधिश्री नाम बेटी के लिए नया और सुंदर है। इस नाम का मतलब महिमा का स्वामी, दिव्य उपस्थिति रखा जा सकता है।



गर्मियों में बालों में तेल लगाने का सही तरीका जानते हैं ?

गर्मी के मौसम में यदि सही तरीके से बालों में तेल न लगाया जाए तो इससे आपकी परेशानी बढ़ जाएंगी। इसी के चलते हम यहां आपको इसका सही तरीका बताने जा रहे हैं।

मौसम चाहे कोई सा भी हो, सेहत के साथ-साथ त्वचा और बालों का खास ध्यान रखना हर किसी के लिए काफी अहम माना जाता है। खासतौर पर अगर बात करेंगे बालों की तो मौसम बदलने के साथ-साथ बालों में तमाम परेशानियां पैदा होने लगती हैं। बालों का झड़ना, उनका रूखापन बढ़ना तो जैसे सबसे आम दिक्कते हैं।

ऐसे में अक्सर लोग तेल मालिश करने की सलाह देते हैं, क्योंकि उससे बालों को आंतरिक मजबूती मिलती है। इसी के चलते हम आपको यहां गर्मी के मौसम में बालों में तेल मालिश करने का सही तरीका बताने जा रहे हैं, ताकि आपको किसी तरह की कोई दिक्कत न होने पाए और आप अपने बालों को परेशानियों से बचा सकें।

हल्का गर्म तेल इस्तेमाल करें

यदि आप गर्मी के मौसम में भी बालों में तेल लगाते हैं, तो ध्यान रखें कि ये हल्का गर्म ही होना चाहिए। इसे ज्यादा गर्म न करें, वरना इससे आपकी स्कैल्प को परेशानी हो सकती है। हल्का गर्म तेल स्कैल्प में जल्दी ऑब्जर्व होता है और बालों को पोषण देने का काम करता है।



मात्रा हो सही

तेल की मात्रा कभी किसी से सुझाव से तय न करें। इसकी मात्रा आपके वालों की लंबाई और घनत्व पर निर्भर करती है। बहुत घने वालों के लिए ज्यादा तेल की जरूरत पड़ती है, जबकि अगर आपके बाल थोड़े पतले हैं तो कम तेल ही लगाएं। ध्यान रखें कि बालों को तेल में एकदम भिगोना नहीं है।

मसाज है जरूरी

बालों में तेल का इस्तेमाल करते समय ध्यान रखें कि स्कैल्प की मसाज बेहद जरूरी है। यदि तेल लगाने के बाद आप स्कैल्प की मसाज करेंगे तो इससे स्कैल्प का रक्त संचार बढ़ेगा। जिससे बालों की जड़ें मजबूत होती हैं। इस कारण ही बालों को पोषण मिलता है, जिससे बालों की चमक भी बरकरार रहती है।

सही समय का ध्यान रखें

कभी भी बालों में तेल लगाकर ऐसे ही न छोड़ें। अक्सर लोग कहते हैं कि तेल को रातभर लगाकर छोड़ना चाहिए, जबकि ऐसा नहीं है। तेल को बालों में 1-2 घंटे से अधिक न रखें। ज्यादा देर तक तेल छोड़ने से स्कैल्प में पसीना और धूल जमा हो सकती है। इसलिए इसे नहाने से पहले ही बालों में लगाएं बस।

सही शैम्पू का चयन करें

नहाने से पहले शैंपू बालों में लगाकर उसे धोना जरूरी है। ऐसे में इस दौरान सही शैंपू का चयन करें। गलत शैंपू आपके बालों की चमक को भी खराब कर देगा। जबकि मालिश के बाद इस्तेमाल किया गया सही शैंपू आपके बालों को और खूबसूरत बनने में मदद करेगा।

घर से दूर रहकर होता है अकेलेपन का एहसास तो करें ये काम

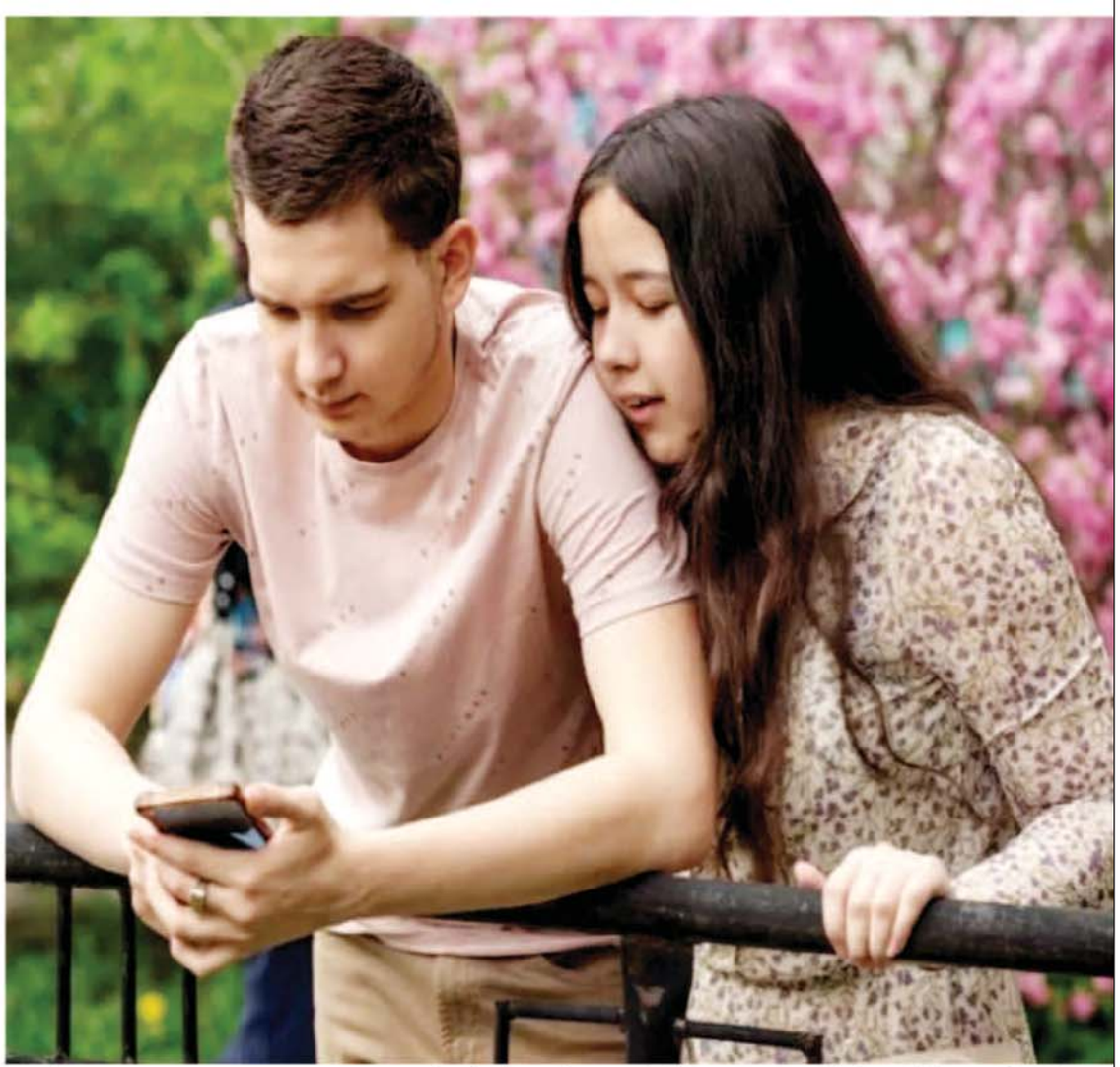


परिवार और घर किसी भी व्यक्ति के जीवन में बेहद जरूरी होता है लेकिन पढ़ाई या नौकरी के कारण अक्सर लोग अपने घर परिवार से दूर रहने लगते हैं। इस दौरान उन्हें होम सिकनेस यानी घर की याद आती है। अकेले रहना आज के दौर में आम हो गया है, खासकर पढ़ाई, नौकरी या किसी और कारण से घर से दूर रहने वालों के लिए। हालांकि अकेले रहना आत्मनिर्भरता सिखाता है लेकिन कई बार अकेलापन मन पर हावी हो जाता है। अगर आप भी अकेलेपन से जूझ रहे हैं तो इन उपायों को अपनाकर खुद को सकारात्मक बनाए रख सकते हैं।

- **रूटीन को अपनाएं :** दिनचर्या को संतुलित रखने से मन व्यस्त रहता है और बेवजह की सोच से बचा जा सकता है। इसलिए एक रूटीन बनाएं और इस रूटीन के मुताबिक खुद को व्यस्त रखें।
- **घर की सजावट :** एक साफ-सुथरा और मनपसंद माहौल आपको मानसिक सुकून देता है। जिस स्थान पर आप रह रहे हैं, उसे व्यवस्थित रखें और इसकी सजावट उसी तरीके से करें जैसे घर को सजाया जाता है।
- **नई हॉबी अपनाएं:** खुद को व्यस्त रखने और आत्मनिर्भर बनने के लिए नई हॉबी को अपनाएं। कुकिंग, पेंटिंग, म्यूजिक या कोई ऑनलाइन कोर्स जैसे कुछ नया सीखना आत्मविश्वास बढ़ाता है।
- **दोस्तों और परिवार से जुड़े रहें:** हर दिन कुछ देर अपनों से फोन या वीडियो कॉल पर बात करें। ये आपके अकेलेपन को काफी हद तक कम कर सकता है।
- **योग करें:** मानसिक शांति और ऊर्जा के लिए ध्यान और योग बेहद लाभदायक हैं। अकेलापन महसूस हो
- **लोगों से मेलजोल बढ़ाएं:** पड़ोसी, ऑफिस या आस-पास के लोगों से मिलते रहें, यह सामाजिक जुड़ाव बनाए रखने में मदद करता है।
- **पेट्स अपनाएं:** पालतू जानवर आपके अकेलेपन के साथी बन सकते हैं और घर को जीवंत बना देते हैं।
- **वॉक :** खुले वातावरण में टहलना या पार्क में कुछ वक्त बिताना मूड को बेहतर बनाता है।

Partner का फोन हाथ आते ही आप भी करते हैं यह सब चेक

संभल जाइए नहीं तो रिश्ते पर लग जाएगा ब्रेक



पार्टनर का फोन हाथ में लेकर कुछ चीजें चेक करना एक आम बात हो सकती है, लेकिन यह रिश्ते में समस्याएं पैदा कर सकता है। किसी की प्राइवेसी का सम्मान नहीं करना गलत आदतों में शुमार किया जाता है। अगर आप अपने पार्टनर का फोन हाथ में लेते ही कई चीजों पर नजर रखते हैं या उन्हें चेक करते हैं तो यकीनन यह एक गलत आदत हो सकती है।

- **मैसेज और ईमेल चेक करना :** पार्टनर के मैसेज और ईमेल को चेक करने से बचें, क्योंकि यह उनकी गोपनीयता का उल्लंघन हो सकता है। अगर आपका पार्टनर वर्किंग है तो मैसेज और ईमेल आना यह एक सामान्य प्रक्रिया है। हो सकता है कि वह ऑफिस की कुछ बातें आपसे छिपाना चाहता हो ताकि रिश्ते पर असर न पड़े। ऐसे में आपको भी मेल या मैसेज चेक करने से बचना चाहिए। क्योंकि ऐसा करके आप अपना रिश्ता कमजोर कर रहे होते हैं। इसके साथ ही यह प्राइवेसी भी भंग करता है।
- **सोशल मीडिया एक्टिविटी :** पार्टनर की सोशल मीडिया एक्टिविटी को चेक करने से बचें, क्योंकि यह उसके सम्मान को ठेस पहुंचा सकता है। कई बार आपका पार्टनर अपने सेम जेंडर वाले अच्छे दोस्तों के साथ अपनी कई चीजे शेयर करता है। ऐसे में आप वो मैसेज पढ़ते हैं तो यह जानकर उसको भी बुरा लगेगा।
- **फोन कॉल और कॉन्टैक्ट्स:** पार्टनर के फोन कॉल और कॉन्टैक्ट्स को चेक करने से बचें। ऑफिस से आते ही पार्टनर के फोन को हाथ में लेकर उसकी कॉल लॉग देखना और उसके कॉन्टेक्ट चेक करना गलत आदत है। यह आदत रिश्तों में खटास पैदा कर सकती है।
- **ब्राउज़िंग हिस्ट्री चेक करना :** पार्टनर की ब्राउज़िंग हिस्ट्री को चेक करने से बचें। ब्राउजिंग हिस्ट्री चेक करना अच्छी आदत नहीं हो सकती। कई बार आपका पार्टनर आपने से जो बात पूछने में शर्माता हो हो सकता है उसे वो इंटरनेट के माध्यम से पढ़ रहा हो। यह कोई बीमारी या अन्य बात भी हो सकती है तो इन्हें चेक करना ठीक नहीं।
- **क्या करना चाहिए :** पार्टनर के साथ खुलकर बात करें और उनसे अपनी चिंताओं के बारे में पूछें। आप अपने पार्टनर के साथ विश्वास बनाएं और उन पर भरोसा करें। जब भी आप अपने पार्टनर के साथ संवाद करें तब उनसे अपनी भावनाओं के बारे में बात करें। ऐसा करने से आपका रिश्ता भी मजबूत होगा और पार्टनर के दिल में आपके लिए प्रेम और सम्मान भी बढ़ेगा।

गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान सुरक्षा के लिए घाटों पर पुलिस बल तैनात रहेगा



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। ग्यारह दिवसीय श्रीगणेश महोत्सव के समापन पर अनंत चतुर्दशी से गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू होगा। शहरी क्षेत्र के चिन्हित विसर्जन घाटों और कुंडों के साथ आसपास के क्षेत्रों में पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाएं की हैं। ग्वारीघाट विसर्जन कुंड, हनुमानताल सहित अन्य निर्धारित स्थानों पर श्रद्धालु गणपति बप्पा के जयघोष के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन कर सकेंगे।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित विसर्जन कुंड में ही प्रतिमा विसर्जित करने की अपील की है। कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और नगर निगम आयुक्त सहित अधिकारियों ने कहा है कि प्राकृतिक जलस्रोतों को प्रदूषित होने से बचाने के लिए प्रतिमाओं का विसर्जन निर्धारित कुंडों में ही किया जाए। शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण इलाकों में भी बड़े तालाबों, विसर्जन घाटों और नहरों के आसपास सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं।

विसर्जन व्यवस्था की निगरानी के लिए संबंधित थाना प्रभारियों के साथ संभाग और अनुभाग स्तर के अधिकारी भी तैनात रहेंगे। अधिकारी निर्धारित स्थलों का लगातार निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की स्थिति पर नजर रखेंगे। प्रशासन का प्रयास है कि विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण किसी तरह की अव्यवस्था या हादसे की स्थिति न बने। गणेश प्रतिमाओं की शोभायात्राओं को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के साथ यातायात व्यवस्था को लेकर भी तैयारी की है। ढोल-ढमाकों और गुलाल के साथ निकलने वाले जुलूसों के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रमुख मार्गों पर बैरियर और बैरिकेड लगाए जा रहे हैं। इससे विसर्जन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं और अन्य वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित रखा जा सकेगा। नर्मदा नदी के प्रमुख घाटों की ओर जाने वाले मार्गों पर भी यातायात व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। ग्वारीघाट, तिलवाराघाट, भेड़ाघाट और लम्हेटाघाट की ओर जाने वाले रास्तों पर यातायात पुलिस बैरियर और बैरिकेड लगाएगी। विसर्जन के दौरान वाहनों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए इन मार्गों पर पुलिसकर्मी यातायात को नियंत्रित करेंगे। गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए तिलवारा, भिटौली, अधारताल, सूपाताल और हनुमानताल में यातायात पुलिस के साथ जिला पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इन स्थानों पर सुबह से देर रात तक जवान मौजूद रहेंगे। भीड़ और यातायात की स्थिति के अनुसार मौके पर आवश्यक व्यवस्था की जाएगी। विसर्जन स्थलों पर पीए सिस्टम के माध्यम से श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने की अपील की जाएगी। अधिकारियों की ओर से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को गहरे पानी में नहीं जाने की सलाह दी जाएगी। श्रद्धालुओं से घाट पर निर्धारित स्थानों पर ही जाने और सुरक्षा व्यवस्था में तैनात कर्मचारियों के निदेर्शों का पालन करने को कहा जाएगा। प्रशासन ने वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग करने और विसर्जन के दौरान एक-दूसरे का सहयोग करने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि भीड़ के बीच यातायात व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए श्रद्धालुओं का सहयोग जरूरी है। निर्धारित कुंडों में ही प्रतिमा विसर्जित करने और सुरक्षा निदेर्शों का पालन करने से विसर्जन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में मदद मिलेगी।

मेडिकल कॉलेज में रखरखाव के अभाव में वेंटिलेटर दे रहे जवाब



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में कोविड काल के दौरान लगाए गए वेंटिलेटर रखरखाव के अभाव में चलते-चलते बंद हो रहे हैं। इससे गंभीर बीमारियों से जूझ रहे और जटिल सर्जरी वाले मरीजों के इलाज में परेशानी की स्थिति बन रही है। आईसीयू और आईसीसीयू जैसे वार्डों में जीवनरक्षक प्रणाली पर रखे जाने वाले मरीजों के लिए वेंटिलेटर महत्वपूर्ण उपकरण है। मेडिकल कॉलेज के विभिन्न वार्डों में लगाए गए ज्यादातर वेंटिलेटर टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से खरीदे गए थे। बताया गया है कि खरीद की नीति के तहत इन उपकरणों को पांच वर्ष की अवधि पूरी होने से पहले हटाया नहीं जाता। वहीं, लंबे समय से इनके नियमित रखरखाव और मरम्मत की व्यवस्था नहीं होने के कारण उपकरणों की कार्यक्षमता प्रभावित होने की बात सामने आ रही है। मेडिकल कॉलेज में न्यूरो सर्जरी, हृदय संबंधी जटिल सर्जरी और अन्य गंभीर मामलों के मरीजों को आईसीयू में भर्ती कर उपचार दिया जाता है। ऐसे मरीजों को जरूरत पड़ने पर वेंटिलेटर की सहायता दी जाती है। उपकरण के अचानक बंद होने से इलाज की व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति बनती है और मरीजों के परिजनों को चिंता का सामना करना पड़ता है। कोविड काल के दौरान मेडिकल कॉलेज में वेंटिलेटर की नई खरीद की प्रक्रिया भी की गई थी। उस समय पुराने वेंटिलेटर को चालू हालत में अलग कर कबाड़ में बेचे जाने की बात सामने आई थी। अब नए उपकरणों के रखरखाव और उनकी कार्यक्षमता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अस्पताल में इस्तेमाल हो रहे उपकरणों की समय-समय पर जांच और आवश्यक मरम्मत नहीं होने से समस्या बढ़ने की बात कही जा रही है। मेडिकल कॉलेज में केवल वेंटिलेटर ही नहीं, बल्कि विभिन्न विभागों में मरीजों की आवश्यक जांच के लिए इस्तेमाल होने वाले कई चिकित्सा उपकरण भी पुराने हो चुके हैं। इनके तकनीकी खराबी के कारण बीच-बीच में जांच प्रभावित होती है। ऐसी स्थिति में मरीजों को जरूरी जांच बाहर निजी केंद्रों पर कराने के लिए अतिरिक्त राशि खर्च करनी पड़ती है। कुछ समय पहले हृदय रोगियों के उपचार में महत्वपूर्ण ईसीजी और एंजियोग्राफी की मशीन में तकनीकी खराबी आने से जांच प्रभावित हुई थी। इससे हृदय रोगियों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. सोहेल सिद्दीकी के अनुसार मशीन में तकनीकी खराबी के कारण एंजियोग्राफी और ईसीजी की जांचें कुछ समय के लिए बंद हुई थीं। सुधार कार्य पूरा होने के बाद फिलहाल एंजियोग्राफी और ईसीजी की जांचें दोबारा शुरू हो गई हैं। हालांकि इस घटना ने मेडिकल कॉलेज में इस्तेमाल हो रहे पुराने चिकित्सा उपकरणों के रखरखाव की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। आधुनिक उपचार सुविधाएं शुरू होने के बावजूद यदि संबंधित उपकरण नियमित रखरखाव के अभाव में बंद होते हैं तो इसका सीधा असर मरीजों की जांच और उपचार व्यवस्था पर पड़ता है। मेडिकल कॉलेज में गंभीर मरीजों के उपचार के लिए वेंटिलेटर और अन्य जीवनरक्षक उपकरणों की उपलब्धता के साथ उनकी नियमित सर्विसिंग और तकनीकी जांच भी जरूरी है। मौजूदा स्थिति में पुराने उपकरणों की कार्यक्षमता बनाए रखने और खराब होने वाले उपकरणों की समय पर मरम्मत कराने की जरूरत सामने आ रही है, ताकि गंभीर मरीजों के उपचार में तकनीकी खराबी बाधा न बने।

रांझी में शराब के लिए रुपये नहीं देने पर युवक की गर्दन पर धारदार हथियार से हमला

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। रांझी थाना क्षेत्र के मेजर चौक के पास एक युवक पर धारदार हथियार से हमला करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान मोहित श्रीवास के रूप में हुई है। घटना में घायल युवक रामचरण यादव पिता कुद्दु यादव, 35 वर्ष, की गर्दन पर गंभीर चोट आई है।

बताया गया है कि आरोपी ने रामचरण यादव से शराब पीने के लिए रुपये मांगे थे। रुपये देने से इनकार करने पर दोनों के बीच विवाद हुआ। आरोप है कि इसके बाद मोहित श्रीवास ने धारदार हथियार से रामचरण यादव की गर्दन पर हमला कर दिया। हमले में रामचरण गंभीर रूप से घायल हो गया।



घटना की सूचना मिलने पर रांझी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए रांझी स्थित छोटी विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने घायल का उपचार शुरू किया। पुलिस ने घटना के संबंध में घायल की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। प्रकरण दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी। तलाश के दौरान पुलिस ने मोहित श्रीवास को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से घटना के संबंध में पूछताछ कर रही है।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में शराब पीने के लिए रुपये मांगने और रुपये नहीं देने पर हमला किए जाने की बात सामने आई है। घटना में इस्तेमाल किए गए धारदार हथियार और हमले के अन्य पहलुओं के संबंध में भी पुलिस जांच कर रही है।

वहीं क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि आरोपी के साथ एक अन्य युवक भी मौजूद था। स्थानीय लोगों के अनुसार उस युवक ने भी घटना में आरोपी का साथ दिया और घायल युवक पर धारदार हथियार से हमला किया। हालांकि दूसरे युवक की भूमिका को लेकर पुलिस की जांच अभी जारी है।

पुलिस अब घटना के दौरान मौजूद लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों से जानकारी जुटा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वारदात में आरोपी के साथ कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गणेश पंडाल के सामने जुआ खेलते सात आरोपी गिरफ्तार, 1.20 लाख रुपये जब्त



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। रानीताल गेट नंबर एक के सामने गणेश पंडाल के पास चल रहे जुए के फड़ पर लार्डगंज और विजय नगर पुलिस ने संयुक्त रूप से दबिश देकर सात जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 लाख 20 हजार 200 रुपये नकद और ताश के 52 पत्ते जब्त किए हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत कार्रवाई की गई है। थाना प्रभारी लार्डगंज नवल आर्य और विजय नगर थाना प्रभारी धीरज राज के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि रानीताल गेट नंबर एक के सामने गणेश पंडाल के पास कुछ लोग ताश के पत्तों पर रुपये की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद दोनों थानों की पुलिस ने संयुक्त टीम बनाकर बताए गए स्थान पर दबिश दी। पुलिस टीम के मौके पर पहुंचते ही जुआ खेल रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से सात लोगों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम संजय राजपूत, 35 वर्ष, निवासी रानीताल गेट नंबर एक, प्यारेलाल बाबा के पास लार्डगंज, राहुल चौबे, 38 वर्ष, निवासी जगदीश अखाड़े के पीछे रानीताल और सत्यम श्रीवास, 30 वर्ष, निवासी यादव कॉलोनी के पास बताए। पकड़े गए अन्य आरोपियों में देवेंद्र कुमार सोंधिया, 33 वर्ष, निवासी रानीताल गेट नंबर एक, नवीन टेंट हाउस, आशीष पटेल, 44 वर्ष, निवासी रानीताल गेट नंबर एक के पास, शिवा यादव, 36 वर्ष, निवासी एकता चौक गढ़ा और गोविंदा सोनी, 25 वर्ष, निवासी सूजी मोहल्ला गोहलपुर शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से जुए में लगाए गए 1 लाख 20 हजार 200 रुपये नकद बरामद किए। इसके अलावा मौके से ताश के 52 पत्ते भी जब्त किए गए। पुलिस ने जब्त रकम और ताश के पत्तों को प्रकरण में शामिल करते हुए सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। पुलिस के अनुसार गणेश पंडाल के सामने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलने की सूचना मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। दोनों थाना क्षेत्रों की पुलिस ने संयुक्त रूप से दबिश देकर मौके पर मौजूद सभी सात आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस द्वारा जुए के फड़ से संबंधित अन्य जानकारी भी जुटाई जा रही है।

वृद्ध से सोने की अंगूठी और नकदी लूटने वाले आरोपी गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र में काली मंदिर रोड पर पैदल घर जा रहे वृद्ध से सोने की अंगूठी और नकदी लूटने के मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई नकदी भी बरामद की है। घटना विजय नगर क्षेत्र की है, जहां रात के समय वृद्ध को रास्ते में रोककर मारपीट की गई थी। घड़ी चौक, विजय नगर निवासी प्रदीप कुमार नेमा, 63 वर्ष, ने 10 सितंबर को माढ़ोताल थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया कि 26 जुलाई की रात वह चुंगी नाका से काली मंदिर रोड होते हुए पैदल अपने घर जा रहे थे। रात करीब पौने एक बजे वह सड़क पर लगे बिजली के पोल के पास पहुंचे थे। प्रदीप कुमार नेमा के अनुसार, इसी दौरान तीन युवक सामने से आए और उन्हें पार कर कुछ दूर आगे निकल गए। कुछ देर बाद उनमें से दो युवक वापस लौटे और उन्हें पकड़ लिया। दोनों युवकों ने वृद्ध के साथ मारपीट करते हुए थप्पड़ मारे। इसके बाद एक आरोपी ने उनके हाथ की उंगली में पहनी डायमंड लगी सोने की अंगूठी निकाल ली। आरोपियों ने वृद्ध की जेब से 400 रुपये भी निकाल लिए और मौके से भाग गए। घटना के बाद प्रदीप कुमार नेमा ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाते हुए आरोपियों की पहचान के प्रयास किए। जांच के दौरान संदिग्धों के संबंध में जानकारी मिलने पर पुलिस ने दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पुलिस ने लूट की घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई नकदी बरामद कर ली है। वहीं वृद्ध से छीनी गई डायमंड लगी सोने की अंगूठी की बरामदगी के संबंध में भी पुलिस कार्रवाई कर रही है।

घमापुर में मकान की दीवार और छत ढही, परिवार के सदस्य बाल-बाल बचे



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। घमापुर थाना क्षेत्र के कांचघर चुंगी चौकी स्थित बरू मोहल्ला में बीती रात एक रिहायशी मकान की दीवार और छत अचानक ढह गई। हादसे के समय परिवार के सदस्य घर के अंदर सो रहे थे। दीवार से प्लास्टर और मिट्टी गिरने की आवाज सुनकर परिवार के लोगों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। उनके बाहर आते ही मकान की छत और दीवार भरभराकर गिर गई। पीड़ित महिला रानू तिवारी ने बताया कि घटना के समय वह अपने बच्चों के साथ घर में सो रही थीं। रात में अचानक दीवार से प्लास्टर और मिट्टी झरने लगी। दीवार की हालत देखकर परिवार के सदस्यों को खतरे का अंदाजा हुआ और वे तुरंत घर से बाहर निकल गए। इसके कुछ ही देर बाद पूरी छत और दीवार अचानक ढह गई। मकान गिरने से घर का सामान मलबे के नीचे दब गया। हादसे में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी नहीं है। समय रहते परिवार के बाहर निकल जाने से बड़ी जनहानि टल गई। हालांकि मकान का एक हिस्सा गिरने से परिवार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। रानू तिवारी के अनुसार घर में रखा फर्नीचर, खाने-पीने की सामग्री और अन्य घरेलू सामान मलबे में दबकर खराब हो गया। परिवार ने सामान के नुकसान का अनुमान करीब 2 से 3 लाख रुपये लगाया है। मकान का हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के बाद परिवार के सामने रहने और घरेलू सामान सुरक्षित रखने की समस्या भी खड़ी हो गई है। हादसे के बाद पीड़ित परिवार का कहना है कि उनके पास फिलहाल रहने और रात में सोने के लिए सुरक्षित जगह का संकट है। मकान के क्षतिग्रस्त हिस्से के कारण परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परिजनों ने प्रशासन से तत्काल राहत और सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि घटना के बाद स्थानीय प्रशासन या किसी वरिष्ठ अधिकारी की ओर से अब तक कोई ठोस मदद या राहत कार्य शुरू नहीं किया गया है। परिजनों के अनुसार क्षेत्रीय पार्षद की ओर से केवल आवेदन देने की बात कही गई है। इससे परिवार के लोगों में नाराजगी है। परिजनों ने जिला प्रशासन से नुकसान का आकलन कर जल्द आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

प्राकृतिक खेती को लेकर समनापुर में कृषक संवाद कार्यक्रम आयोजित

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड जबलपुर के ग्राम समनापुर में आत्मा परियोजना द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने एवं इसके प्रति किसानों को जागरूक करने के उद्देश्य से कृषक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कृषकों के साथ प्राकृतिक खेती की विभिन्न तकनीकों, इसके लाभ, कम लागत में उत्पादन तथा रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने के विषय पर चर्चा की गई। कृषकों को प्राकृतिक खेती में जीवामृत, बीजामृत एवं अन्य प्राकृतिक कृषि आदानों के उपयोग की जानकारी प्रदान की गई। संवाद के दौरान कृषक श्रीमती बूँदा सैयाम ने प्राकृतिक खेती को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि वे अपनी मक्का की फसल में 2-3 बार जीवामृत का छिड़काव कर चुकी है जिससे उनकी फसल में भुट्टे का आकार पहले की तुलना में बढ़ गया है। कृषक दीपा ने बताया कि उनकी अरहर की फसल में वृद्धि नहीं हो रही थी। वो इस फसल की जोत कर कुछ और फसल लगाने का सोच रही थी। लेकिन जैसे ही उन्हें जीवामृत के बारे में जानकारी मिली उन्होंने उसका उपयोग अपनी फसल में किया। आज उनकी अरहर की स्थिति बहुत अच्छी हो गई है। श्री पूरण लाल ने बताया कि उनकी अरहर की फसल में पहले भुनगी की समस्या थी। जैसे ही जीवामृत का छिड़काव किया खेत से भुनगी गायब हो गई। संवाद के इस कार्यक्रम में किसानों के साथ खेती में आने वाली समस्याओं एवं उनके समाधान पर चर्चा की। साथ ही स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने एवं अधिक से अधिक कृषकों को इससे जोड़ने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के पश्चात समनापुर में निर्मित बीआरसी यूनिट का अवलोकन भी सभी किसानो को करवाया गया। वहां से जीवामृत बीजामृत घनजीवमृत निर्मास्त्र लेने के लिए प्रेरित किया गया तथा इनकी निर्माण विधि के बारे में भी जानकारी दी गई। संवाद के कार्यक्रम में परियोजना संचालक आत्मा डॉ इंदिरा त्रिपाठी, बीटीएम रीता पांडे एवं एटीएम नेहा शर्मा सहित ग्राम के कृषक उपस्थित रहे। कृषक संवाद के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया तथा कृषि में नवाचार और पारंपरिक ज्ञान के समन्वय से उत्पादन को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई।

मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पनागर विकासखंड के सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में ह्यमेरे सपनों का भारतह्ल विषय पर राष्ट्रीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पनागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री सुशील तिवारी 'इंदु', एसडीएम जबलपुर अभिषेक सिंह, संयुक्त संचालक शिक्षा घनश्याम सोनी, बीईओ पनागर श्रीमती सोनम कटारे तथा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने ह्यमेरे सपनों का भारतह्ल विषय पर चित्रकला एवं भाषण के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए। उपस्थित अतिथियों ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा प्रमाण पत्र प्रदान किये। ज्ञात हो कि एक माह के सेवा संकल्प अभियान के तहत शैक्षणिक संस्थाओं में "मेरे सपनों का भारत" विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता 19 सितंबर से 26 सितंबर तक जिला स्तर पर तथा राज्य स्तर पर 4 और 5 अक्टूबर को आयोजित की जा रही है। चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जबकि अन्य प्रतिभागियों को कलेक्टर राघवेंद्र सिंह द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592